दैनिक प्रातः कालीन भारत सरकार से रजिस्टर्ड हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 03 अंक :- 197 मुरादाबाद, 05 November 2023 (Sunday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करे-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999 में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

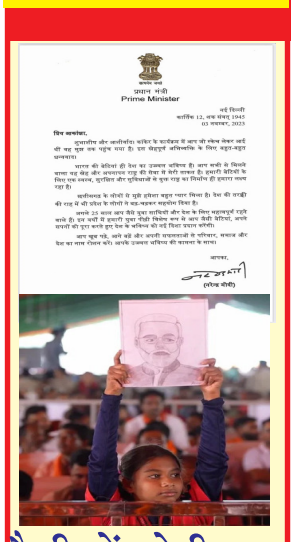

संक्षिप्त समाचार

रैली में मोदी का स्केच लेकर पहुंची लड़की, प्रधानमंत्री ने खुद लिखा पत्र, कहा- देश सेवा में मेरी ताकत

कांकेर में एक चुनावी रैली के दौरान आकांक्षा ठाकुर द्वारा बनाए गए स्केच ने प्रधानमंत्री का ध्यान अपनी ओर खींच लिया था। दरअसल, चुनावी रैली के दौरान एक छोटी बच्ची पीएम का स्केच बनाकर लाई थी, जिसे उसने उन्हें उपहार में दिया था। अब पीएम ने बच्ची को पत्र लिखकर आभार जताया है। बच्ची का धन्यवाद किया पीएम मोदी ने पत्र लिखकर स्कूली छात्रा आकांक्षा ठाकुर को बताया कि उन्हें स्केच मिल गया है। उन्होंने बच्ची का धन्यवाद किया। पत्र में लिखा है, 'प्रिय आकांक्षा आप जो कांकेर की रैली में स्केच लेकर आई थीं, मुझे मिल गया है। इस स्नेहपूर्ण अभिव्यक्ति के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।' बेटियां ही देश का उज्ज्वल भविष्य पीएम मोदी ने पत्र में आगे लिखा, 'भारत की बेटियां ही देश का उज्ज्वल भविष्य हैं। आप सभी से मिलने वाला यह स्नेह और अपनापन राष्ट्र की सेवा में मेरी ताकत है। हमारी बेटियों के लिए एक स्वस्थ, सुरक्षित और सुविधाओं से युक्त राष्ट्र का निर्माण ही हमारा लक्ष्य रहा है। छत्तीसगढ़ के लोगों से मुझे हमेशा बहुत प्यार मिला है।' कांकेर में एक चुनावी रैली के दौरान आकांक्षा ठाकुर द्वारा बनाए गए स्केच ने प्रधानमंत्री का ध्यान अपनी ओर खींच लिया था। उन्होंने अपना भाषण रोककर बच्ची से स्केच के पीछे अपना पता लिखने को कहा था। पीएम ने बच्ची से वादा किया था कि वह उसे एक पत्र भेजेंगे। आखिरकार पीएम मोदी ने बच्ची से किया हुआ वादा पूरा कर ही दिया। ठाकुर ने दो नवंबर को रैली के बाद पत्रकारों से बात की थी। उसने बताया था कि हर कोई कह रहा था कि पीएम मोदी यहां आएंगे। इसलिए मैंने खुद उनका एक स्केच बनाया। बच्ची ने कहा था कि पीएम ने उससे कहा है कि वह एक पत्र भेजेंगे।

नेपाल में भूकंप से भीषण तबाही, राहत बचाव कार्य में भी आ रही मुश्किलें; अब तक 140 लोगों की मौत

नेपाल में शुक्रवार रात आए भूकंप से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर अब 140 हो गया है। जाजरकोट और रुकुम पश्चिम जिले में भूकंप का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला है। राहत और बचाव कर्मियों ने मलबों को हटाने का काम शुरू कर दिया है। नेपाल में शुक्रवार रात आए भूकंप ने भीषण तबाही मचाई है। यह भूकंप आठ साल में आया सबसे भीषण भूकंप है, जिसमें अब तक 140 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। भूकंप के बाद राहत और बचाव कर्मियों ने रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया है। नेपाल में भूकंप कब आया? नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, यह भूकंप शुक्रवार रात 11 बजकर 47 मिनट पर आया है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.4 मापी गई। वहीं, जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियो साइसेंज ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 5.7 थी, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षम के अनुसार भूकंप की तीव्रता 5..6 थी।मरने वालों की बढ़ सकती है संख्या- न्यूज एजेंसी रायटर के मुताबिक, अधिकारियों ने आशंका व्यक्त की है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। जाजरकोट जिले के अधिकारी हरीश चंद्र शर्मा के मुताबिक, घायलों की संख्या सैकड़ों में हो सकती है।भूकंप के समय सो रहे थे लोग- अधिकारियों ने बताया कि भूकंप की तीव्रता गंभीर नहीं थी, लेकिन क्षेत्र में निर्माण की खराब गुणवत्ता के कारण नुकसान और मरने वालों की संख्या अधिक होने की संभावना है। भूकंप आने के समय लोग सो रहे थे। उन्होंने बताया कि बचाव कार्य धीमा होने की आशंका है, क्योंकि आपातकालीन टीमों को कई स्थानों पर भूस्खलन से अवरुद्ध हुई सड़कों को साफ करना होगा।भूकंप में मारे गए थे नौ हजार लोग- इससे पहले, 2015 में आए दो भूकंपों में करीब नौ हजार लोग मारे गए थे। पूरा कस्बा, सदियों पुराना मंदिर और अन्य ऐतिहासिक स्थल तब मलबे में तब्दील हो गए थे। इसके साथ ही, 10 लाख से अधिक घर तबाह हो गए थे। जाजरकोट और रुकुम पश्चिम जिले में भूकंप का सबसे ज्यादा असर- अधिकारियों ने बताया कि करनाली प्रांत के जाजरकोट में 99 लोग मारे गए, जबकि 55 लोग घायल हुए। वहीं, रुकुम पश्चिम जिले में 38 लोग मारे गए, जबकि 85 लोग घायल हुए। भूकंप का केंद्र रमीडांडा गांव में था। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से जाजरकोट में तीन कस्बे और तीन गांव बुरी तरह प्रभावित हुए, जिनकी आबादी एक लाख 90 हजार है। भारत में भी दिखा भूकंप का असर- भूकंप के झटके लगभग 600 किमी दूर नई दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में महसूस किए गए, जिससे इमारतें हिल गईं और लोगों को सड़क पर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। नेपाल से सटे उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में किसी तरह का नुकसान होने की खबर नहीं आई है। पीएम मोदी ने व्यक्त किया शोक- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह नेपाल में भूकंप से हुए जानमाल की हानि और क्षति से काफी दुखी हैं। भारत नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता और हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। हमारी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ है।

सीएम योगी ने सुनी फरियाद, बोले- कब्जामुक्त कराएंगे जमीन, आवास भी बनवाएंगे

गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री एक-एक करके सबके पास खुद गए और उनकी बात सुनी। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान जमीन कब्जा किए जाने से जुड़ी शिकायतों पर उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जाने वाले दबंगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। ऐसी ही एक शिकायत लेकर पहुंची महिला को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि उनकी जमीन को कब्जामुक्त कराने के साथ ही आवास भी बनवाया जाएगा। शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में जुटे करीब 300 लोगों से मिले। उन्होंने मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद जाकर उनकी समस्याएं सुनीं और पास में मौजूद अधिकारियों को समस्या निस्तारण के लिए त्वरित कार्यवाही का निर्देश दिया। उन्होंने सभी लोगों को भरोसा दिया कि सबकी समस्याओं का निस्तारण कराया जाएगा। जिन्हें आवास की समस्या है उन्हें सरकारी योजना से आवास दिलाया जाएगा। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। भू माफिया के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। जनता दर्शन में एक महिला ने मुख्यमंत्री को बताया कि आर्थिक स्थिति ठीक न होने से उसके पास पक्का आवास नहीं है, साथ ही जमीन पर दबंग ने कब्जा कर लिया है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द से जल्द जमीन कब्जा से मुक्त कराकर महिला को वापस दिलाने का आदेश दिया। सीएम योगी ने महिला से कहा, परेशान मत हों। जमीन खाली कराकर वापस तो दिलाएंगे ही, उस पर प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आवास योजना से पक्का आवास भी बनवाएंगे। जमीन पर कब्जा संबंधी सभी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दबंगों व भू माफिया को करारा कानूनी सबक सिखाकर जमीनों को कब्जे से मुक्त कराएं। हर बार की तरह शनिवार को भी कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि इलाज में मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद मिलेगी। इसे लेकर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित की इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन में भेजें। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को उन्होंने दुलारा और आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट दिया।

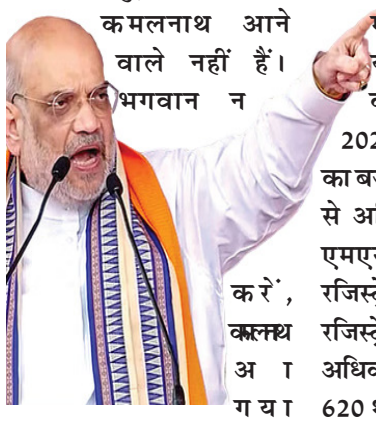

अमित शाह ने गिनाए कमलनाथ के घोटाले, बोले- इतनी उम्र हो गई, पेट नहीं भरा क्या?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के कथित घोटाले गिनाए। फिर कहा कि कमलनाथ जी, आपकी इतनी उम्र हो गई, पेट नहीं भरा क्या? अब और क्या करना चाहते हो? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर जमकर निशाने साधे। उन्होंने आरोप लगाया कि कमलनाथ ने साढ़े तीन सौ करोड़ का मोजरबेयर घोटाला किया। 2400 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले में नाम आया। 600 करोड़ का इफ्को घोटाला किया। 25 हजार करोड़ रुपये की कर्जमाफी का घोटाला कमलनाथ ने किया। इतनी आयु हो गई, पेट नहीं भरा क्या? क्या करना है भाई! मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा में शाह ने कहा कि कमलनाथ मध्य प्रदेश में डेढ़ साल रहे। ऐसा नहीं है कि उन्होंने कुछ काम नहीं किए। उन्होंने यहां कमीशनखोरी का उद्योग स्थापित किया। ट्रांसफर इंडस्ट्री लगाने का काम किया। बेटा-दामादों के कल्याण का उद्योग स्थापित किया। भ्रष्टाचार की इंडस्ट्री लगाने का काम किया। शिवराज जी की 51 से ज्यादा गरीब कल्याण योजनाएं बंद कर दी। मुझे पता है कि कमलनाथ आने वाले नहीं हैं। भगवान न करें, कमलनाथ आ गया तो किसानों को 12 हजार मिलना भी बंद हो जाएगा। लाड़ली बहना योजना भी बंद हो जाएगी। शाह के साथ केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी जनसभाओं को संबोधित किया। शाह ने अपनी चुनावी सभाओं में 2003 के पहले रही दिग्विजय सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल को भी याद किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने कई साल तक मध्य प्रदेश को अंधेरे में रखा। बीमारू राज्य बनाकर रखा। दूसरी ओर भाजपा की सरकार ने मध्य प्रदेश को बीमारू से बेमिसाल राज्य बनाया। गरीबों, दलितों, शोषितों, वंचितों के कल्याण का काम किया। 20 साल पहले श्रीमान बंटाढार की सरकार थी तब सड़क ऐसी थी क्या? सिंचाई की व्यवस्था ऐसी हुई थी क्या? घर-घर बिजली आती थी क्या? 2003 में जब कांग्रेस मध्य प्रदेश छोड़कर गई तब यहां का बजट 23 हजार करोड़ रुपये का था। 2023 में मध्य प्रदेश सरकार का बजट तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का था। हर साल एमएसएमई के चार हजार रजिस्ट्रेशन होते थे। आज यह रजिस्ट्रेशन बढ़कर तीन लाख से अधिक हो गए हैं। मेडिकल सीटें 620 थी, जो बढ़कर चार हजार से अधिक हो गई है। आईआईटी की सीटें बढ़ाई हैं। पर्यटक 64 लाख आते थे, अब नौ करोड़ आते हैं। यह पूरा परिवर्तन भाजपा की सरकार ने किया। राम मंदिर का निमंत्रण देने आया हूं शाह ने इस दौरान अयोध्या में बन रहे राम जन्मभूमि मंदिर का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में जहां भगवान राम का जन्म हुआ, वहां मंदिर बनना था या नहीं? कांग्रेस पार्टी 70 साल से मंदिर के प्रश्न को लटका, अटका और भटका रही थी। मोदी जी ने एक दिन सुबह चुपचाप जाकर भूमिपूजन किया। मैं तो निमंत्रण देने आया हूं। राहुल बाबा को जवाब देना चाहता हूं। 2019 में मैं भाजपा का अध्यक्ष था। राहुल बाबा पूरे देश में गदर मचाते थे। कहते थे कि- मंदिर वहीं बनाएंगे मगर तिथि नहीं बताएंगे। राहुल बाबा तिथि सुन लो। 22 जनवरी 2024 को दोपहर साढ़े 12 बजे रामलला प्रस्थापित होने वाले हैं। हमने सिर्फ अयोध्या मंदिर का काम नहीं किया। उज्जैन में महाकाल लोक और काशी विश्वनाथ का कॉरिडोर बनाया। सोमनाथ का मंदिर सोने का बन रहा है। बद्रीनाथ और केदारनाथ का भी पुनरोद्धार भी मोदी जी ने किया है। शाह बोले कि यहां सभी को कोरोना का टीका लगा है या नहीं? 25 पैसा भी देना पड़ा है क्या? कॉफी पिलाकर कोरोना टीका लगाया है। राहुल बाबा कहते थे कि यह टीका मत लो, यह मोदी टीका है। वह तो अच्छा है कि राहुल बाबा की किसी ने नहीं सुनी। एक दिन अंधेरे में जाकर उन्होंने भी टीका लगा लिया। कोरोना जैसी महामारी में भी कांग्रेस वाले राजनीति करते थे। 4सी फॉर्मूले पर चलती है कांग्रेस- शाह ने आरोप लगााय कि कांग्रेस पार्टी 4सी फॉर्मूले पर चलती है। करप्शन, कम्युनल दंगे, कमीशन और क्रिमिनल की पॉलिटिक्स करती है। मध्य प्रदेश को 4सी से निकालकर विकास की धारा में लाने के लिए भाजपा को वोट देना जरूरी है। कांग्रेस की सरकार थी तो केंद्र सरकार ने दस साल में दो लाख करोड़ रुपये मध्य प्रदेश को भेजे थे। मोदी जी ने नौ साल में सात लाख 25 हजार करोड़ रुपये मध्य प्रदेश को सिर्फ ग्रांट के रूप में भेजे हैं।

वो काले हो या पीले, सिंधिया के काला कौआ वाले बयान पर कमलनाथ का पलटवार; बोले- सब जानते हैं क्या सौदा किया

मध्य प्रदेश के चुनावी अभियान में भाजपा और कांग्रेस में वार-पलटवार चल रहा है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर हमला बोला है। कमलनाथ ने कहा कि सिंधिया ने जो किया वो जनता ने देखा है। सिंधिया पर कसा तंज- सिंधिया ने बीते दिन कहा था कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में फर्जी ऋण माफी पत्र बांटे थे। इसपर आज पलटवार करते हुए कमलनाथ ने कहा कि सिंधिया भी ऋण माफी के प्रमाणपत्रों के वितरण के गवाह थे। सिंधिया काले हो यां पीला कौआ, हमें कुछ नहीं लेना- सिंधिया ने खुद को कांग्रेस के लिए काला कौआ बताया था, जिसपर कमलनाथ ने कहा कि सिंधिया कुछ भी कहें, सब जानते हैं कि उनकी क्या डील हुई।

सब जानते हैं कि उन्होंने हमारी सरकार से किस तरह का लाभ लिया और जनता को गुमराह किया। कमलनाथ ने कहा कि सिंधिया काले हैं या पीले, इसका जवाब मुझे नहीं देना है।सिंधिया ने खुद को बताया था काला कौआ- इससे पहले, शुक्रवार को अशोकनगर जिले में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए, सिंधिया ने अपने पूर्व पार्टी सहयोगियों को लोकप्रिय बॉलीवुड गीत झूठ बोले कौवा काटे की याद दिलाई और कहा कि वह कांग्रेस के लिए काला कौआ थे कांग्रेस को उनसे डरना चाहिए। सिंधिया ने कहा, किसानों की कर्जमाफी के नाम पर 26 लाख फर्जी प्रमाणपत्र बांटे गए। उनमें से कुछ प्रमाणपत्र मैंने भी बांटे। एक पुरानी कहावत है, झूठ बोले कौवा काटे, काले कौवे से डरियो। मैं कांग्रेस के लिए काला कौआ हूं। 17 नवंबर को एमपी में चुनाव- बता दें कि मध्य प्रदेश उन पांच राज्यों में से एक है जहां 17 नवंबर को एक चरण में मतदान होना है और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। मतदाता 230 विधानसभा क्षेत्रों से विधायक चुनेंगे।

संपादकीय Editorial

Corruption in investigating agencies

The Enforcement Directorate (ED) had summoned Delhi Chief Minister Kejriwal for questioning in the context of the liquor scam, but Kejriwal refused to appear, terming the summons as wrong and politically motivated. He also asked some questions whether the investigating agency has called him as the Chief Minister or the National Convenor of Aam Aadmi Party (AAP). ED had summoned him as a 'witness' or 'suspect'. What is the meaning of these statements of BJP leaders that Kejriwal can be arrested after interrogation, hence this summons has been sent as per the instructions of BJP! Kejriwal has also made it clear in the letter to ED that as the Chief Minister, he has a lot of government responsibilities and being the national leader of the party, the partymen of the states expect him to campaign in the elections. Hence he will not appear before the ED. Since this summons itself is illegal and vague, it should be withdrawn. Our news is that ED will send a fresh summons to Kejriwal. If needed, court intervention can also be sought. Kejriwal can reject three summons of ED. If he still does not appear, then ED will have to go to court for further action. ED has sent 5 summons to Jharkhand Chief Minister Hemant Soren, but he has not appeared even once. Nowadays, politicians have stopped taking ED's summons seriously, because the Supreme Court has decided that ED cannot arrest anyone in case of non-compliance of summons.

It is mandatory for him to come to the court. However, in the context of ED itself, an incident has happened in Rajasthan that the Anti-Corruption Bureau there has arrested an ED officer red-handed while taking a bribe of Rs 15 lakh. The officer had come to Rajasthan from Imphal (Manipur) so that a corruption case could be hush-up. Now Congress leaders are also raising the question that to what extent is the involvement of ED or CBI in the black boxes that are coming to Chhattisgarh and worth crores have been seized? Many cases of corruption have been exposed in investigating agencies. Due to this, distrust towards the government and investigating agencies is increasing and they are becoming questionable. The concern of the common man is increasing that the investigating agencies, which have the mandate to investigate corruption under the Constitution, are themselves tainted and in the dock. Recently, CBI had registered a case against an assistant director of ED in the payment case of Rs 5 crore. A few days ago, Assam Police had arrested a CBI officer, who was involved in a conspiracy to extort money from a businessman. In May last year, the CBI itself had arrested four of its own sub-inspectors on bribery charges. The list of such alleged corrupt cases is quite long. Prima facie it can be assumed that our major investigating agencies are also not clean.

This is a very serious situation, but it is wrong to believe that they cannot detect economic crimes and reach legal conclusions. In the context of Delhi liquor scam, the Supreme Court itself has said in its decision about profit of Rs 338 crore and alleged bribe given to a government public servant. Reference has also been made towards Hawala money trail. If former Deputy Chief Minister of Delhi Government Manish Sisodia and Rajya Sabha MP Sanjay Singh are in jail for 8 months and 28 days respectively and bail has been rejected till the top court, then why will the convenor of that party and the Chief Minister of the government not be responsible? For ED to reach this conclusion, it is very important to know Kejriwal's side. The investigating agencies have to face a two-pronged battle. Corruption must be exposed.

Cost of electoral concessions: Even today many policy questions remain in the background

During election season, political parties only make parade of promises. Concerns about policy questions are left in the background. But the common voter has to pay their price. Mao Zedong famously said, 'Power comes out of the barrel of the gun.' But in the Indian political scenario, the key to power lies in electoral concessions. The new tool used by the powers that be to show their love for the people is cash transfer. Of the five states going to polls this winter, four are relatively less industrialized and more populous. All political parties talk about employment, electricity, roads, water and development. But sadly, elections have now become a contest of competing promises, freebies and cash transfers. Women voters have emerged as game changers in this, to attract them there is a competition among political parties to make populist promises. Now take Madhya Pradesh only, where after Congress's promise of giving one and a half thousand rupees to women, the Shivraj Chauhan government has increased the cash transfer under Ladli Brahmin Yojana from one thousand to one and a half thousand rupees and increased it to three thousand rupees per month. Has also promised. At the same time, the Gehlot government of Rajasthan has promised to give an annual allowance of ten thousand rupees to women. In Telangana, K Chandrashekhar Rao has promised to give Rs 3,000 per month to women from eligible families. There is also a top-up strategy to woo voters. Under this, funds are provided by the states to the schemes already run by the Central Government. In India, more than 45 per cent of the population engaged in agriculture, which is forced to live on one-sixth of the national income, is also a constituency for political parties, where political parties consider it their duty to woo their voters. In 2018, Telangana and Odisha made efforts to increase farmers' income under schemes called Rythu Bandhu and Kalia. This idea was adopted at the national level as the Prime Minister Kisan Samman Nidhi, under which farmers get six thousand rupees. The political compulsion to increase compensation becomes clear from the figures. More than half of the families in more than 15 states depend on agriculture. Congress promised to increase Rythu Bandhu payment to Rs 15,000 and Rs 12,000 for agricultural labourers. Now where was KCR going to lag behind? He increased the Rythu Bandhu payment to Rs 16,000 annually. In Maharashtra too, a top-up scheme called Namo Shetkari Mahasamman has been launched to make additional payment of Rs 6,000 to eligible farmers. It is noteworthy that the expansion of cash transfer is visible with the registration of more than seven thousand codes by the states on the National Payments Corporation portal. This includes payments for schemes that are initiated by the Center but administered by the states. In addition, Central schemes with additional subsidization and schemes initiated by the States are also included. Earlier this year, the central government had reduced the prices of LPG by Rs 200. Subsidy on LPG cylinders has also been increased in election states. In Rajasthan, Telangana and Madhya Pradesh, cylinders are being given for Rs 500, 400 and 450 respectively. In May 2023, the Madhya Pradesh government had decided to waive interest on loans taken by farmers from cooperative societies. The state government also promised to pay interest payable on loans up to Rs 2 lakh taken by credit societies. More than 11 lakh farmers were expected to get relief from this scheme. In July the Congress promised that if it came to power, it would resume the loan waivers announced during its tenure. It is surprising that political parties do not even consider the need to consider the cost of the promises they make. The challenge of fulfilling election promises is reflected in the state budgets. For example, Karnataka had to set aside Rs 52 thousand crore for a guarantee issued before the elections. However, political parties do not seem to be concerned about this. The increase in willingness to spend and expenditure is probably due to the steady increase in Goods and Services Tax (GST) collections. Annual GST revenue collection has increased from Rs 7.18 lakh crore in 2017-18 to more than Rs 18.10 lakh crore in 2022-23. Collections for the first half of 2023-24 have increased by 11 per cent to Rs 9.92 lakh crore, averaging about Rs 1.6 lakh crore per month. In fact, the GST revenue of the states in the first half of this year stood at Rs 4.22 lakh crore as compared to Rs 3.68 lakh crore for 2022-23. Another source of funds is the tax levied by states on fuel, from which states collected more than Rs 3.2 lakh crore last year. Now it is important to understand that these free concessions also have a price. These costs are met by higher taxes, which voters have to pay in the form of GST or fuel prices, or in the form of additional borrowing, which increases inflation and interest rates. This leads to reduction in the supply of essential services. Widespread vacancies in health, education and police are proof of this. Non-development expenditure of state governments has increased to over Rs 14.18 lakh crore from Rs 10.63 lakh crore in 2020-21. Electoral concessions are actually like political paracetamol. The value of cash transfers and concessions Basic issues of the system affect livelihoods. There is a deep silence on issues like empowering agriculture, reforming land and labor laws. India's GDP is the sum of the growth of various states. But, states are rarely asked questions on economic issues. During election season, political parties only make parade of promises. Concerns about policy questions are left in the background.

Business: Emphasis on exports will help, many aspects are in favor to give impetus to the economy.

By increasing exports we can grow our economy faster. Stable government, stable economy, availability of workers are in India's favour. Due to the unprecedented contribution of various sectors, the Indian economy has currently reached 37.5 trillion dollars and the target is to take it to 50 trillion dollars. Obviously, rapid efforts will have to be made for this. The Indian economy is based more on domestic consumption rather than being export oriented. But the challenge is that considering the per capita income of Indians, it is difficult to achieve this target on the strength of domestic consumption alone. The only way for this is to promote exports in a big way. China's economy was once at par with ours, but only on the basis of exports it grew many times ahead of us. China presented an excellent example of supply chain management to promote its exports. Built big ports, airports and highways. He not only took the help of technology but also streamlined the bureaucracy, so that there was no hindrance in exports. After this, through political efforts he took huge export orders. Due to large-scale production, China was able to sell goods at very cheap rates, which led to the stagnation of domestic production in many countries, as the goods produced in those countries could not compete with Chinese goods in terms of prices. This happened to a large extent in India also and thousands of small factories came up here too. Therefore, we need to learn many things from China to increase our exports. A lot of work is being done on infrastructure in our country. Along with the development of highways and ports, many new airports are also being built, which will ease the movement of goods. Dr. Ajay Sahay, Director General and CEO of Indian Export Promotion Council, says that we have to change the nature of exports and look at the trends around the world. This is the age of technology and what we are exporting is traditional. He says that now the market for export of technological goods has become very big and our contribution in it is not even one percent, whereas this market is worth seven billion dollars. By making efforts in this direction, we can increase our exports significantly. Our exports are increasing in electronic PMI, mobile phones are a big example of this. Apart from this, we are also ahead in the pharma sector. Not only this, the global companies who want to come to India will also export from here. With their coming to India, exports will increase, as we are seeing in the automobile sector. India's exports are also increasing in the pharma sector. Ajay Sahay says that Profit Linked Incentive (PLI) is applicable in 14 sectors, which provided support to those sectors. Tax is high in some sectors, but it is likely to reduce in the future. India is a big exporter of agricultural products. Our agricultural exports have increased to 52 billion dollars. Agricultural exports can be doubled by increasing. But there are many challenges in its path. The Government of India has imposed various restrictions on the export of Basmati rice, pulses, wheat, sugar, long grain white rice etc. to control the prices, which is affecting our exports. Importers are now buying rice from Vietnam, Thailand, Pakistan etc. According to the latest news, the government will export 12 lakh tonnes of long grain rice to 11 countries through National Cooperative Exports Limited. Experts say that due to this, small rice mills and exporters will have to suffer huge losses. On the other hand, America and Europe want some other country to replace China in the world market. This is a big opportunity for India. India has improved its position in the Ease of Doing Business Index. A report said that stable government, stable economy and availability of workers are in India's favor. All this makes doing business in India easier. Due to work on infrastructure, improvement in tax laws and business rules and regulations, investment is increasing here, which will yield benefits in the times to come. This is the age of technology and what we are exporting is traditional. He says that now the market for export of technological goods has become very big and our contribution in it is not even one percent, whereas this market is worth seven billion dollars. By making efforts in this direction, we can increase our exports significantly. Our exports are increasing in electronic PMI, mobile phones are a big example of this. Apart from this, we are also ahead in the pharma sector. Not only this, the global companies who want to come to India will also export from here. With their coming to India, exports will increase, as we are seeing in the automobile sector. India's exports are also increasing in the pharma sector. Ajay Sahay says that Profit Linked Incentive (PLI) is applicable in 14 sectors, which provided support to those sectors. Tax is high in some sectors, but it is likely to reduce in the future. India is a big exporter of agricultural products. Our agricultural exports have increased to 52 billion dollars. Agricultural exports can be doubled by increasing. But there are many challenges in its path. The Government of India has imposed various restrictions on the export of Basmati rice, pulses, wheat, sugar, long grain white rice etc. to control the prices, which is affecting our exports. Importers are now buying rice from Vietnam, Thailand, Pakistan etc. According to the latest news, the government will export 12 lakh tonnes of long grain rice to 11 countries through National Cooperative Exports Limited. Experts say that due to this, small rice mills and exporters will have to suffer huge losses. On the other hand, America and Europe want some other country to replace China in the world market. This is a big opportunity for India. India has improved its position in the Ease of Doing Business Index.

अजीत प्रकरण : 21 मिनट तक पत्नी से बातचीत के बाद मार ली गोली

मुरादाबाद- करवाचौथ की रात सीओ कोतवाली देश दीपक सिंह के गनर अजीत कुमार की कमरे पर जाकर 21 मिनट तक पत्नी चंचल से फोन पर बात हुई थी। इसी के बाद उसने सरकारी एके-47 राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। इस बात का खुलासा उसके हेड कांस्टेबल पिता पवन कुमार ने किया है। इनके मुताबिक, पहले बेटे ने अपनी मां, बड़े भाई और उनसे भी फोन पर बात की थी। फिर पत्नी को फोन मिलाया था। बहू से बेटे की हुई बात की टाइमिंग पवन कुमार को नागफनी थाना पुलिस से पता चली है। अब वह सोमवार को मुरादाबाद आकर आरोपी बहू, उसके माता-पिता के विरुद्ध कार्रवाई को तहरीर देंगे। मृतक के पिता ने बताया कि उनके बेटे ने बुधवार रात 8:30 बजे के दौरान उनको कॉल कर बातचीत की थी। उनका बच्चा काफी खुश प्रतीत हो रहा था। फिर उसने मां और बड़े भाई अनुज से भी फोन कर बातचीत की। इस दौरान उसका रूम पार्टनर कांस्टेबल गौरव भी उसके साथ था। रात में ड्यूटी पर गौरव के जाने के बाद उनके बेटे ने 10:15 बजे के दौरान पत्नी चंचल को फोन मिलाया, क्योंकि उस दिन करवा चौथ भी था। अब बहू चंचल और बेटे के बीच फोन पर क्या बातचीत हुई यह तो अभी पवन कुमार को पता नहीं चल पाया है लेकिन, उन्हें नागफनी थाना पुलिस से इतना जरूर मालूम हुआ है कि बेटे और बहू के बीच फोन पर बातचीत 10:15 बजे से 10:36 बजे तक चली है। इस तरह लगभग 21 मिनट तक बहू- बेटे में बात हुई है। इस दौरान बहू और बेटे में ऐसी क्या बात हुई कि उनका बेटा अजीत आत्महत्या करने को मजबूर हो गया, यह उन्हें अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतक कांस्टेबल के पिता पवन कुमार ने यह भी बताया कि उनके बेटे का मोबाइल नागफनी थाना पुलिस के पास है। अब इस मोबाइल पर उसकी पत्नी से क्या बात हुई है, यह जांच के बाद ही पता चलेगा और तभी उसकी मौत का कारण स्पष्ट होगा।

बहू और उसके माता-पिता बेटे को देते थे धमकी

कांस्टेबल के पिता ने बताया कि उनके बेटे ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने दावा किया कि यह घटना बेटे की ससुराल वालों को भी मालूम है लेकिन, पत्नी और उसके मां-बाप ने फोन पर एक कॉल तक नहीं की। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल पहले बेटे अजीत की शादी की थी। अभी उसके कोई संतान नहीं थी। शादी के कुछ ही समय बाद उसकी पत्नी से विवाद होने लगा था। इस विवाद में उसकी सास और ससुर भी हस्तक्षेप कर रहे थे। 9 महीने पहले बहू जेवर व अन्य कीमती सामान लेकर मायके चली गई थी, उसके बाद से दोबारा ससुराल में नहीं लौटी। आए दिन उनके बेटे से फोन पर बहस होती थी। बहू के माता-पिता भी फोन कर बेटे को तमाम तरह की धमकी देते थे।

ससुर ने बहू के चरित्र पर भी उठाए सवाल

मृतक कांस्टेबल अजीत के पिता ने बहू के चरित्र पर भी सवाल उठाए हैं।

हालांकि उन्होंने बहुत कुछ तो नहीं कहा लेकिन, इतना जरूर बताया की बहू चरित्र से ठीक नहीं है और यही बात उनके बेटे को पसंद नहीं थी। जिस कारण आए दिन विवाद होता रहता था।

साइबर ठगी पर अंकुश को 10 वर्ष के मामलों की हो रही समीक्षा

मुरादाबाद- साइबर क्राइम के मामलों में दिन पर दिन इजाफा होता जा रहा है। जालसाजों की सक्रियता से लोगों को बड़े स्तर पर धनहानि हो रही है। चैटिंग, अश्लीलता व अन्य तरह के अपराधों में भी व्यापक स्तर पर वृद्धि हो रही है। ऐसे में सरकार ने भी गंभीरता दिखाई है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में एक-एक साइबर थाना बनाने को भी कह दिया है। यही नहीं, शासन के निर्देश पर अब पुलिस के उच्चाधिकारी पिछले 10 वर्ष में हुए श्रेणी वार साइबर क्राइम के संबंधित विवरण भी एकत्र कर रहे हैं। विशेष पुलिस महानिदेशक (साइबर क्राइम) सुभाष चंद्र ने जिलों में पत्र भेजकर कई बिंदुओं पर विस्तार से ब्योरा मांगा है। पिछले 10 वर्षों में हुए श्रेणीवार साइबर अपराध और उनमें कार्रवाई, सफलता संबंधी विवरण मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत करने की योजना है। इसके बाद साइबर क्राइम पर लगाम कसने को उच्च स्तर से योजना बनाए जाने की बात कही जा रही है। इन दिनों साइबर थाना और पुलिस लाइन साइबर क्राइम सेल में काम चल रहा है। पिछले वर्षों में कितनी घटनाएं दर्ज हुई हैं, उनमें कार्रवाई, रिकवरी, अपराधियों गिरफ्तारी और सजा आदि का विवरण संकलित किया जा रहा है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मैन पॉवर से लेकर जरूरी तकनीकी उपकरणों तक का अभाव है। कभी-कभी ठगे गए व्यक्ति के बैंक खाते को होल्ड या संबंधित अन्य कार्रवाई

में बैंकर्स के सहयोग का अभाव हो जाता है। अधिकारियों को उम्मीद बढ़ गई है कि विशेष पुलिस महानिदेशक को उपलब्ध कराया जाने वाले साइबर अपराध के विवरण का प्रस्तुतीकरण मुख्यमंत्री के सामने होगा तो निश्चित ही कोई बड़ी योजना बनेगी और मैन पॉवर एवं जरूरी उपकरणों का अभाव समाप्त होगा।

अपराध को लेकर जागरुकता की आवश्यकता

साइबर क्राइम थाना एवं सेल के विशेषज्ञ बताते हैं कि क्राइम की रोकथाम के सबसे पहले जरूरी है कि जिस तरह से मिशन शक्ति अभियान चल रहा है, उसी तरह लोगों को ऑनलाइन क्राइम के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। चूंकि ये क्राइम इंटरनेट के माध्यम से होता है और वर्तमान में लगभग सभी परिवारों में मोबाइल हैं। मोबाइल पर चैटिंग, संदिग्ध मैसेज या कोई लिंक आने और उसके क्लिक करने से लोग क्राइम का शिकार हो जा रहे हैं। जालसाज फोन कर क्रेडिट कार्ड, एटीएम संबंधी मामलों पर बात कर लोगों के खाते से रुपये चोरी कर ले रहे हैं। इंटरनेट पर अश्लीलता से जुड़े मामले भी अधिक हैं। जालसाज आइडी हैक कर ब्लैकमेल करते हैं।

उप शिक्षा निदेशक को भी जालसाजों ने ठगा

उप शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) द्वादश मंडल रविंद्र सिंह ने कहा, बढ़ते साइबर क्राइम का वे भी शिकार हो गए हैं। 10 अक्टूबर को उनके बैंक खाते से भी 21,000 रुपये चोरी हो गए। कॉल करने वाले ने एक ऑफर देकर कहा कि पैसे निवेश करिये, अच्छा मुनाफा मिलेगा। वे लालच में आ गए। मुगलपुरा के सैयद शाहबेज के साथ भी साइबर ठगी हो गई। 20 अक्टूबर को बैंक खाते से 1.30 लाख रुपये कट गए। सैयद शाहबेज से कॉलर अपने को भारतीय स्टेट बैंक का सेल्स एग्जीक्यूटिव ऑफीसर बताया। क्रेडिट कार्ड के चार्जेज समाप्त होने की बात कहकर उनसे 1499 रुपये जमा कराए और सैयद शाहबेज के खाते की रकम गायब कर दी। विशेष पुलिस महानिदेशक (साइबर क्राइम) की तरफ से विवरण मांगा गया है। इससे उम्मीद है कि अब कुछ और बेहतर होगा। वैसे अभी थाने में केवल चार कंप्यूटर और तीन कर्मी हैं। आईटी एक्ट में सजा सात वर्ष से कम है। ठग की गिरफ्तारी नहीं हो पाती है। ऐसे में वादी कहता है कि आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो रही है। आरोपी यदि गैर राज्य का है तो उसे पकड़ने में भी बहुत बाधाओं का सामना करना पड़ता है। -राजेश सिंह, थानाध्यक्ष-साइबर क्राइम

रात में बढ़ रही ठंड, रैन बसेरों पर नहीं जिम्मेदारों का ध्यान

मुरादाबाद-ठंड ने दस्तक दे दी है। रात में न्यूनतम तापमान 17-18 डिग्री सेल्सियस होने से ठंड का असर बढ़ रहा है। कुछ दिनों में ठंड और बढ़ेगी, जिससे निराश्रितों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। कड़ाके की सर्द रात में निराश्रितों को रैन बसेरे में जगह न मिलने या बदइंतजामी के चलते कई बार खुले आसमान के नीचे फुटपाथ किनारे तो कभी अंडरपास का सहारा लेना पड़ता है। नगर निगम प्रशासन की कार्यशैली आग लगने पर कुआं खोदने वाली है। रैन बसेरों में इंतजाम सुधारने की पहल अभी नहीं हुई। हर साल सर्द रातों में जब लोग रजाई, कंबल में खुद को गर्म रखते हैं तब बेदर्द सर्दी का सितम निराश्रितों पर भारी पड़ता है। नगर निगम की ओर से संचालित रैन बसेरों में ठंड के लिए अभी कोई खास इंतजाम नहीं किए गए हैं। रामगंगा विहार कॉलोनी में सीएल गुप्ता नेत्र संस्थान के पास स्थित रैन बसेरे में शौचालय बदहाल हैं। रजाई गद्दों की स्थिति में भी दूसरे रैन बसेरे की तुलना में बेहतर नहीं है। आश्रयहीन निशुल्क शेल्टर होम हरथला के भवन की रंगाई पुताई न होने से यह बदहाल है। रैन बसेरे के बाहर नाली की सफाई भी नियमित नहीं होने से गंदगी थी। जबकि रेलवे स्टेशन रोड इम्पीरियल तिराहे के पास रैन बसेरे की स्थिति तुलनात्मक रूप से ठीक है। लेकिन, आसपास सफाई न होने से लोगों को रात बिताने पर मच्छरों से जूझना पड़ेगा। क्योंकि डेंगू के कहर के बाद भी नगर निगम प्रशासन चिह्नित हाट स्पॉट वाले इलाकों में भी नियमित फागिंग नहीं करा रहा है। ऐसे में रैन बसेरे में मच्छरों से निपटने के लिए कोई इंतजाम निगम प्रशासन की ओर से नहीं रखा गया है। इन रैन बसेरों की देखभाल करने वाले भी मनमानी करते हैं। नगर आयुक्त संजय चौहान का कहना है कि रैन बेसरों की व्यवस्था जल्द ही दुरुस्त कराई जाएगी।

10 से शुरू होगा संभल-मुरादाबाद अंडरपास मार्ग, वाहनों को खस्ता हाल मार्ग से मिलेगी निजात

मुरादाबाद-संभल-मुरादाबाद अंडरपास की मरम्मत का कार्य पूरा हो चुका है। 10 नवंबर को मुरादाबाद से संभल जाने वाले वाहन सीधे जा सकेंगे। अब वाहनों को खस्ता हाल मार्ग से निजात मिलेगी। मरम्मत कार्य प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप(पीपीपी) द्वारा कराया गया है। वहीं, मुरादाबाद से संभल के लिए रेल सेवा न होने से निजी वाहन के अलावा रोडवेज बस ही आवागमन का एक मात्र साधन रही है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप (पीपीपी) में मुरादाबाद-बरेली एक्सप्रेसवे लिमिटेड टोल कंपनी द्वारा संभल-मुरादाबाद अंडर पास के मरम्मत कार्य का पूरा किया चुका है। किए गए कार्य को मजबूती देने के लिए मार्ग एक सप्ताह तक बंद रहेगा। इसके बीच अंडर पास को इंटरलॉक किया जाएगा। 4 अक्टूबर को अंडर पास मरम्मत के चलते वाहनों के आवागमन पर लगाई रोक 10 नवंबर को खुल जाएगी। जिससे वाहन चालकों व प्रतिदिन आने वाले यात्रियों को आसानी होगी। मार्ग बंद होने और निजी वाहन के अलावा एक मात्र रोडवेज बसों का सहारा होने के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इस दौरान वाहनों को डींगरपुर से कुंदरकी होकर 14 किलोमीटर और डींगरपुर से पाकबड़ा होकर 16 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय कर संभल, बहजोई, इस्लाम नगर और अनूपशहर जाना पड़ता था। संभल से मुरादाबाद पढ़ने आने वाले बच्चों व व्यापार का सामान लेने आने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। वहीं मार्ग खराब होने से बरसात में अधिकतर वाहन फंस जाते थे। जिससे जाम की समस्या आम थी। अब मरम्मत का कार्य पूरा होने से 10 किलोमीटर क्षेत्र के आसपास के गांव वालों ने राहत की सांस ली है। नौकरी पेशा लोगों को भी राहत मिलेगी। अंडरपास की मरम्मत का कार्य एनएचएआई द्वारा नजदीकी टोल से कराया जाता है। इस अंडरपास की मरम्मत बरेली-मुरादाबाद एक्सप्रेस वे टोल कंपनी ने की है। इससे पहले अंडर पास में पानी निकासी भी नहीं थी। जिससे बारिश का पानी भर जाने से सड़क की हालत खस्ता हो गई थी। अब बारिश का पानी अंडरपास नहीं रूकेगा। -अनुज कुमार जैन, परियोजना निदेशक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण निगम

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को चितरंगी के बगदरा मे करेंगे चुनावी सभा को संबोधित एवं शाम बैढ़न मे रोड शो

क्यूँ न लिखूँ सच
मानस मिश्रा

सिंगरौली । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनो दो दिवसीय चुनावी दौरे पर सिंगरौली आ रहे हैं। मुख्यमंत्री रविवार दोपहर को चितरंगी विधानसभा के बगदरा मे भाजपा उम्मीदवार राधा सिंह के समर्थन मे चुनावी सभा को संबोधित करेंगे तथा शायं 5 बजे जिला मुख्यालय केंद्र बैढ़न क्षेत्र मे भाजपा उम्मीदवार रामनिवास

शाह के पक्ष मे रोड शो मे भाग लेंगे। माननीय मुख्यमंत्री जी रविवार रात्रि सिंगरौली मे ही रूकेंगे तथा भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच महत्वपूर्ण चुनावी बैठक करेंगे तथा चुनावी रणनीति पर चर्चा करेंगे। अगले दिन सोमवार को मुख्यमंत्री महोदय देवसर विधानसभा क्षेत्र के माड़ा मे भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र मेश्राम के पक्ष मे चुनावी सभा को संबोधित करेंगे तथा वहां से रीवा? के लिये प्रस्थान करेंगे।

मुख्यमंत्री की चुनावी सभाओं तथा रोड शो के सफल आयोजन के लिये प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह के दिशा-निर्देश मे पूरी भाजपा जुटी हुई है। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष राम सुमिरन गुप्ता ने सभी पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा आम मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या मे पहुंच कर मुख्यमंत्री जी को सुने तथा उनकी चुनावी सभाओं तथा रोड शो को प्रभावी बनाने की अपील की है।

युवाओं पर भारी न पड़ जाए खेल विभाग की लापरवाही, बिना पंजीकरण संचालित हो रहे हैं अधिकांश जिम

महानगर के जिम में बॉडी को आकर्षक बनाने के लिए बिक रहे प्रोटीन के उत्पाद

मुरादाबाद- इस समय युवाओं में शरीर को आकर्षक बनाने का क्रेज है। जिसके लिए वह जिम जा रहे हैं। वहीं महानगर में अधिकांश जिम खेल विभाग में बिना पंजीकरण संचालित हो रहे हैं। यहां अप्रशिक्षित ट्रेनर युवाओं को जिम कराने के साथ प्रोटीन के उत्पाद लेने की सलाह दे रहे हैं। जिससे युवाओं की सेहत पर विपरीत प्रभाव की आशंका है। लेकिन, खेल विभाग के जिम्मेदार मौन हैं। हर गली मोहल्ले में आपको जिम मिल जाएगा। यहां युवा रोज अपनी बॉडी को आकर्षक बनाने के लिए पसीना बहाते हैं। नियमों के अनुसार सभी जिम का खेल विभाग में पंजीकरण होना आवश्यक है। लेकिन, अधिकांश जिम बिना पंजीकरण के धड़ल्ले से चल रहे हैं। आलम यह कि इनमें अप्रशिक्षित ट्रेनर युवाओं को कसरत के गुर सिखा रहे हैं। यहां युवाओं को खुलेआम बॉडी को आकर्षक बनाने के लिए प्रोटीन के उत्पाद बेचे जा रहे हैं। जबकि नियमों के अनुसार केवल डाइट का कोर्स करने वाला प्रशिक्षित ट्रेनर ही डाइट का सुझाव दे सकता है। लेकिन, नियमों की अनदेखी कर प्रोटीन उत्पाद बेचे जा रहे हैं। जिला क्रीड़ा अधिकारी प्रेम कुमार ने बताया कि सभी जिम संचालकों को सख्ती से खेल विभाग में पंजीकरण के आदेश दिए हैं। साथ ही जिम संचालकों को प्रशिक्षित ट्रेनर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मेडिकल कॉलेज में नशा मुक्ति केंद्र बनाने के फैसले को सराहा

मुरादाबाद। राज्य सरकार युवाओं को बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करने और नशे से छुटकारा दिलाने के लिए प्रयासरत है। इसी क्रम में सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में नशा मुक्ति केंद्र बनाने का फैसला लिया है। जिसका लोगों ने स्वागत किया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों को कॉलेज में नशा मुक्ति केंद्र बनाने के निर्देश दिये हैं। जिससे युवाओं को नशे के सेवन से दूर रखा जा सके। नशा मुक्ति केंद्रों पर चिकित्सकों द्वारा काउंसिलिंग के साथ ही इलाज भी किया जाएगा। ये केंद्र मानसिक स्वास्थ्य या मेडिसिन विभाग के तहत चलेंगे। साथ ही नशे से शारीरिक व मानसिक नुकसान की जानकारी दी जाएगी। केजीके कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुनील चौधरी ने कहा कि इस समय युवाओं में नशे की प्रवत्ति ज्यादा बढ़ गई है। अधिकांश युवा धूमपान और शराब के नशे में लिप्त हैं। ऐसे युवाओं के लिए सरकार का यह कदम वरदान साबित होगा। वहीं गोकुलदास हिंदू गर्ल्स कॉलेज की प्रोफेसर अंजना दास ने बताया कि यह फैसला कई परिवारों की तरक्की के लिए अहम कदम होगा। ऐसे कई परिवार हैं जिनके युवा बच्चे को नशे की लत है। उनको इससे निकलने का नया रास्ता मिलेगा।

चिकित्सक से परामर्श के बिना न लें सप्लीमेंट

मुरादाबाद। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. राजेन्द्र कुमार ने बताया कि आजकल बाजार में ऐसे सप्लीमेंट आ रहे हैं जिसमें स्टेरॉयड में कैमिकल होता है। जो आपको हाइपर ऐक्टिव बना देता है। उससे वजन बढ़ता है और भूख भी लगती है, लेकिन उसके दुष्प्रभाव भी होते हैं। इससे तत्काल एनर्जी भी मिल जाएगी। मगर यह बाद में नुकसान करता है। सप्लीमेंट बिना किसी डॉक्टर की सलाह के नहीं लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि आइसोलेट्स शुद्ध तरह का प्रोटीन माना जाता है। यह पचने में आसान होता है और इससे पेट को दिक्कत नहीं होती।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने रीवा जिले में चुनावी सभाओं को किया संबोधित और रोड शो वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेसी नेताओं ने ली भाजपा में शरण

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

म.प्र. के निरंतर विकास व भविष्य के लिये की भाजपा सरकार बनाने की अपील त्योंथर की जनता त्योंथर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी नेता आए भाजपा के शरण में शरणार्थी के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिया इनको अपने पार्टी में शरण कौशलेश द्विवेदी, गंगा द्विवेदी,एवं सैकड़ो की संख्या में लोग हुए भाजपा में शामिल भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने एक दिवसीय प्रवास पर रहते हुये रीवा जिले के चार विधानसभा क्षेत्र क्रमशः त्योंथर, सिरमौर, सेमरिया एवं रीवा में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित किया एवं रोड शो किया। पार्टी के स्टार प्रचारकों में शामिल राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नड्डा का विषय वसुंधरा पर आत्मीय स्वागत हुआ। उन्होंने रीवा जिले एवं म.प्र. के साथ देश के विकास को अनवरत बनाये रखने के लिये भाजपा को वोट देने की अपील लोगों से की। श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश निरंतर विकास पथ पर अग्रसर है। कांग्रेस की सरकार में सिर्फ और सिर्फ घोटाले हुए है। म.प्र. में 15 महीने वाली कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ने घोटाले के अतिरिक्त प्रदेश को कुछ नहीं दिया। कमलनाथ सरकार ने भाजपा शासन की जनकल्याणकारी एवं हितग्राही मूलक योजनाओं को बंद कर दिया था। जल जीवन मिशन जैसी अतिमहत्वाकांक्षी योजना के 248 करोड़ एवं 2 लाख पीएम आवास केन्द्र को वापस कर दिये थे। श्री नड्डा ने कहा कि म.प्र. के भविष्य को तय करने के लिये भाजपा को वोट दें। उन्होंने लोगों से घोटालेबाजों को सरकार में आने से रोकने की अपील करते हुए कहा कि गहलोत, बघेल और कमलनाथ कलेक्शन करने वाले कलेक्टर है और फिर उस कनेक्शन को दिल्ली दरबार में तेरा तुझको अर्पण की भावना के साथ अर्पित कर आते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का एक-एक प्रत्याशी अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर जनता के बीच प्रस्तुत होता है। भाजपा की कथनी और करनी में अंतर नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने केन्द्र की मोदी सरकार एवं म.प्र. को संगठन की रिपोर्ट का उल्लेख किया। दि शिवराज सरकार में रीवा जिले में हुये विश्वस्तरीय प्रोजेक्ट सोलर प्लांट सहित तमाम विकास कार्यों को गिनाते हुये कहा कि कांग्रेस ने देश-प्रदेश को कोयला घोटाला, कामलवेल्थ घोटाला, टूजी स्पेक्ट्रम घोटाला, अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाला, आदर्श सोसायटी घोटाला दिया है। जनता के हितों और रक्षा सुरक्षा का चुनाव है भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह चुनाव जनता के हितों एवं रक्षा-सुरक्षा का चुनाव है जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूती रहे। से आगे बढ़ रहा है। भारत विश्व की 5वी अर्थव्यवस्था बन चुका है और आगामी 3 वर्ष में तीसरी अर्थव्यवस्था बन जायेगा, उसी दिशा में मोदी सरकार प्रवासरत है। उन्होंने कहा कि देश के साढ़े तेरह करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गये है और देश में एक प्रतिशत उ से भी कम लोग अतिगरीब को श्रेणी में वि है।

सास ननद व देवर के खिलाफ मारपीट करने के आरोप में रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद-कोतवाली के गांव बहादुरपुर निवासी एक महिला ने अपनी सास ननद व देवर पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में रिपोर्ट लिखाई है। गांव बहादुरपुर निवासी सुमन पत्नी रामनिवास ने रिपोर्ट में कहां समय करीब रात नौ बजे सास भगवान देवी, ननद शक्ति ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की है। जिससे उसके शरीर पर छोटे आई हैं । देवर लक्ष्मी नारायण ने फोन पर उसे जान से मारने की धमकी दी है। घटना के संबंध में कोतवाली प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने बताया है पीड़ित महिला की तहरीर पर सास, ननद,व देवर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

प्राइवेट खाद एजेंसियों पर भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा-राकेश

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ - भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि जिला अलीगढ़ में जितनी भी प्राइवेट कर एजेंसी हैं उन पर खाद ब्लैक अधिक वसूली करने की शिकायत मिल रही है जितनी भी एजेंसियां हैं सब की सूची बनाई जा रही है सूची बनाकर के डीएम को सौंप जाएगी भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने यह अभी कहा है कि प्राइवेट कर एजेंसी कर रही है खाद को ब्लैक क्षेत्र के किसानों ने बताया है कि 13 से ?50 का डीएपी खाद 1550 रुपया बेचने की शिकायत मिल रहे हैं?200 प्रति कट्टा वसूली हो रही है जबकि शासनादेश है प्राइवेट एजेंसी हो या सरकारी 1350 रुपए में ही डीएपी खाद किस को मिलेगा लेकिन प्राइवेट एजेंटीयों पर ऐसा नहीं हो रहा है प्राइवेट खाद एजेंसी वाले अच्छी तरह से समझ ले उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी की सरकार है डीएपी खाद की आड़ में किसानों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा भाजपा किसान मोर्चा किसानों का संगठन है किसानों के साथ खड़ा है कहीं भी अहित नहीं होने दिया जाएगा

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायतो का माह अक्टूवर में निस्तारण होने पर झाँसी ललितपुर को मिला प्रथम स्थान

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी पुलिस उपमहानिरीक्षक जोग्रन्द्र कुमार ने प्रेस विज्ञपति में बताया कि मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई शिकायत निवारण आई जी आर एस प्रणाली से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में झाँसी ललितपुर को प्रथम स्थान दिया गया। कार्यशैली की सराहना की गई। पुलिस उपमहानिरिक्षक झाँसी परिक्षेत्र द्वारा रेंज कोडिनेतर ,सीसीटीएनएस/ प्रभारी आई जी आर एस सेल बिमल कुमार श्रीवास्तव,श्रीमती प्रियंका गुप्ता, कम्प्यूटर आपरेटर, ग्रेड ए एव मुख्य आरक्षि जगदीप सिंह को प्रोत्साहन हेतु नगद पुरुस्कार से पुरुस्कृत किया गया तथा जनपद के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समय से आगे भी आई जीआरएस के शिकायती पत्रों को निस्तारण करे।

त्योंथर विधानसभा में पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तो वर्तमान विधायक को मंच में नहीं मिली कुर्सी

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

त्योंथर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के दौरे के उपरांत भाजपा के छोटे से छोटे कार्यकर्ता मंच पर दिखे वहीं वर्तमान विधायक श्यामलाल द्विवेदी नहीं दिखे मंच पर बल्कि वह जनता के बीच में बैठे नजर आए भाजपा प्रत्याशी सिद्धार्थ तिवारी मंच से उनको बुलाए परंतु मंच पर नहीं पहुंचे वर्तमान विधायक श्यामलाल द्विवेदी भाजपा में दिखी तकरार क्या होगा इसका बेड़ा पार क्योंकि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यक्रम के दौरान भाजपा के सभी कार्यकर्ता एवं सभी पदाधिकारी लोग मंच पर दिखे वहीं वर्तमान विधायक मंच पर नहीं दिखे आखिर क्या बात है क्यों नहीं दिखे मंच पर वर्तमान विधायक क्या विधायक कर सकते हैं बगावत या फिर करेंगे सिद्धार्थ तिवारी का सपोर्ट आखिर वजह क्या थी की मंच पर नहीं बैठे वर्तमान विधायक श्यामलाल द्विवेदी जबकि रीवा विधायक एवं वर्तमान मंत्री राजेंद्र शुक्ला भी मंच पर थे उपस्थित अजय सिंह भी मंच से उपस्थित कई दिग्गज नेता उपस्थित थे परंतु ऐसी क्या बात हुई की
वर्तमान विधायक श्यामलाल द्विवेदी मंच पर नहीं पहुंचे भीड़ में दिखे वर्तमान विधायक श्यामलाल द्विवेदी इससे साथ जाहिर हो रहा है श्यामलाल द्विवेदी भाजपा सरकार से नाखुश नजर आ रहे हैं क्या वर्तमान विधायक भाजपा से करेंगे बगावत आखिर क्यों नहीं थे मंच पर क्या हो सकता है कारण क्योंकि पर्चा भरने में जब साथ में थे विधायक तो राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आने पर मंच पर क्यों नहीं गए वर्तमान विधायक यह तो चिंता का विषय बनता जा रहा है क्षेत्र की जनता में छाया आक्रोश क्योंकि वर्तमान विधायक का हुआ अपमान क्या सिद्धार्थ तिवारी का करेंगे सपोर्ट वर्तमान विधायक भाजपा में हो सकती है भीतर घाट क्योंकि वर्तमान विधायक है नाराज मीडिया वाले पूछे सवाल तो नहीं दिए जवाब क्या कोई हो सकता है बड़ा खेल

अज्ञात वाहन की टक्कर से व्यक्ति घायल

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ - अकराबाद- थाना क्षेत्र खेड़ा नारायण गांव के पास सुवह खेत पर जा रहे व्यक्ति को अज्ञात बहन ने रोंदा जिसमें एक घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंचे पर परिजनों ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है। थाना अकरावाद के गांव खेड़ा नारायण निवासी चंद्रेश कुमार पिता राधेश्याम शर्मा उपचार के दौरान देर रात्रि दम तोड़ दिया अपने भाइयों में सबसे छठवे नंबर के थे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है

मीरगंज धामपुर बायो ऑर्गेनिक चीनी मिल सत्र का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद बरेली मीरगंज - धामपुर बायो ऑर्गेनिक लिमिटेड यूनिट मीरगंज में 2023 - 24 पेराई सत्र का हुआ शुभारम्भ। गन्ना चीनी मिल में पंडितों ने बड़े ही विधि विधान के साथ किया गया हवन पूजन। पूजन में मुख्य यजमान चीनी मिल उपाध्यक्ष श्री संजय कुमार श्रीवास्तव एवं मुख्य महा प्रबंधक गन्ना आजाद सिंह रहे। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मीरगंज क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर डीसी वर्मा एवं मीरगंज (एसडीएम) उप जिलाअधिकारी देश दीपक सिंह एवं यजमान चीनी मिल उपाध्यक्ष संजय कुमार श्रीवास्तव एवं मुख्य महाप्रबंधक गन्ना आजाद सिंह, मीरगंज ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार, चेयरमैन योगेंद्र कुमार गुप्ता उर्फ मुन्ना बाबू, सत्येंद्र यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख सुदेश पाल सिंह, किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष सुधीर बालियान, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय सक्सेना, महामंत्री सोमपाल शर्मा, डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलवीर सिंह, पूर्व चेयरमैन विजय कुमार गुप्ता, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय चौहान, पूर्व ब्लाक प्रमुख देवपाल सिंह चौहान, रमेश कुर्मी, प्रधान नगरिया सादात शिवकुमार, धर्मपाल सिंह, अरूनजीत सिंह, शिवेंद्र प्रताप सिंह, यशवंत चौधरी, तेजपाल फौजी कृष्ण पाल गंगवार, अजहरुद्दीन, पुनीत त्रिवेदी, राम सुमन मिश्रा, मेहताब सिंह आदि ने हवन पूजन कर नारियल फोड़ा। उसके बाद सभी लोगों ने केन कैरियर में गन्ना डालकर चीनी मिल के पेराई सत्र 2023 -24 का विधिवत शुभारंभ किया गया। यूनिट हेड ने बताया कि पेराई सत्र में मिल में एक करोड़ 20 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई का लक्ष्य प्रबंधन ने निर्धारित किया है। पेराई क्षमता को 60 हजार क्विंटल से बढ़कर 90 हजार क्विंटल प्रतिदिन किया गया है। इस दौरान चीनी मिल की ओर से गन्ना प्रमुख राजीव कुमार, महाप्रबंधक मानव संसाधन व प्रशासन अरविंद गंगवार, महाप्रबंधक इंजीनियरिंग रवि गुप्ता, महा प्रबंधक उत्पादन सामोद कुमार सिंह, महाप्रबंधक लेखा जय गोपाल चावला, वरिष्ठ प्रबंधक प्रशासनिक संजय कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक मानव संसाधन नवीन श्रीवास्तव, आकाश लहरी, शेषनाथ यादव वरिष्ठ प्रबंधक सुरक्षा, मुख प्रबंधक गन्ना विजय शुक्ला, उत्तम सिंह, आशीष, रतिराम, अनिल चिल्लर व उपस्थित मिल के सभी अधिकारीयों और कर्मचारी के साथ कस्बा फतेहगंज पश्चिमी, शाही, शीशगढ़, शेरगढ़, मीरगंज तहसील के समाजसेवी, गणमान्य, संभ्रांत व्यक्तियों के साथ सैकड़ों किसान बंधु एवं ग्राम प्रधान उपस्थित आदि रहे।

पत्नी की हत्या कर पुलिस के पास थाने पंहुचा पति, बोला पत्नी की हत्या करके आया हूं गिरफ्तार कर लो

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ - थाना टप्पल क्षेत्र के कस्बा टप्पल में पति द्वारा शादी के 7 महीने बाद ही गर्भवती पत्नी की चारपाई पर डालकर गला दबाकर निर्मम हत्या करने के बाद थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर पत्नी की हत्या का जुर्म कबूल किए जाने का मामला सामने आया है।पुलिस ने थाने पहुंचकर पत्नी की हत्या करने का जुर्म कबूल करने वाले हत्यारे पति को गिरफ्तार करते हुए उसके खिलाफ धारा 302 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पति द्वारा हत्या का जुर्म कबूल किए जाने के बाद पुलिस वारदात स्थल पर पहुंची ओर मृतक पत्नी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। तो वहीं गर्भवती शादीशुदा पत्नी के शादी के बाद भी मोबाइल पर किसी दूसरे लड़के से बात करने से पति नाराज था,ओर उसकी पत्नी के गर्भ में पल रहे बच्चे को किसी दूसरे का बताया। यही वजह है कि इसी शक के चलते पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। आपको बता दें कि अलीगढ़ जिले के कस्बा टप्पल में एक पति द्वारा पत्नी की चारपाई पर गला घोटकर निर्मम हत्या किए जाने की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया है। जहां टप्पल कस्बे के युवक सादिक की शादी सात महीने पहले अलीगढ़ निवासी युवती गुलवशाहा के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार संपन्न हुई थी। बताया जा रहा है कि शादी के कुछ दिन तो दोनों पति-पत्नी के बीच सब कुछ ठीक चल रहा था। लेकिन उसके कुछ दिनों के बाद से ही गुलव शाहा को उसका पति सादिक ओर सुसरलीजनो के द्वारा किसी न किसी बात टार्चर करते हुए परेशान किया जाने लगा। वहीं बताया ये भी जा रहा है कि शादी के बाद भी पत्नी गुलाबशहा मोबाइल पर किसी युवक से बात करती थी। दूसरे युवक से पत्नी को फोन पर बात करते हुए देख उसके पति ने कई बार पकड़ लिया था। जिसके बाद पति सादिक ने अपनी पत्नी को मोबाइल पर किसी दूसरे लड़के के साथ बात करने से रोका था। बावजूद इसके पत्नी मोबाइल पर युवक से बात करने से अपने आपको रोक नहीं पाई। इसी बीच पति-पत्नी के बीच चल रही खटपट के दौरान गुलबशहा के गर्भवती होने की बात सामने आ गई। जिसके चलते पति अपनी पत्नी के गर्भ में पल रहे बच्चे को लेकर उस पर शक करने लगा,ओर उसके पति सादिक को लगा कि उसकी पत्नी गुलव शाहा के गर्भ में उसका बच्चा नहीं बल्कि नाजायज हैं।यही वजह है कि जब पत्नी मकान की दूसरी मंजिल पर अपने पति को कंबल देने के लिए गई थी। तभी पति ने अपना आपा खो दिया और गुलव शाहा को चारपाई पर डालकर उसका दोनों हाथों से गला दबाते हुए उसकी सांसे रोककर निर्मम हत्या कर दी। इस दौरान जब पड़ोस में रहने वाली मृतिका की बहन मुनीशा अपनी मां से फोन पर बात करने के लिए उसके घर पहुंची तो उसके कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद देख उसको शक हुआ और पड़ोसी की छत से उसके घर पर दाखिल हुई। जहां अपनी बहन के कमरे पर लगे लोहे के जंगसे अंदर झांक कर देखा तो उसकी बहन की लाश कमरे के अंदर चारपाई पर पड़ी हुई थी। जबकि पति समेत सुसरलीजन उसकी बहन को मौत के घाट उतारने के बाद घर से फरार थे। पति द्वारा पत्नी की गला घोटकर हत्या किए जाने की सूचना पर लोगों का जमावड़ा मौके पर लग गया। तो वहीं शक के चलते गर्भवती पत्नी की हत्या करने के बाद पति थाने पहुंचा ओर पुलिस को बताया कि उसने अपनी पत्नी की गला घोट कर हत्या कर दी है। पति के मुंह से पत्नी की हत्या किए जाने की बात सुनते ही इलाका पुलिस मौके वारदात पर पहुंच गई ओर मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तो वहीं ससुराल पक्ष के अन्य सदस्य मौके से फरार हैं। जबकि मृतका सात माह की गर्भवती हैं। वहीं बेटी की हत्या किए जाने की सूचना पर मौके पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों से पुलिस घटना को लेकर पूछताछ कर रही है। वही मृतका की बहन मुनीशा का कहना है कि 30 अप्रैल 2023 में उसकी बहन गुलबशाहा की शादी सादिक के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही उसका पति सादिक आए दिन उसकी बहन को परेशान करता था। कुछ दिन पहले भी बड़े - बुजुर्गो ने मध्यस्तता करते हुए पति सादिक को समझाया था और मामले का निस्तारण किया था। बावजूद इसके पति सादिक ने उसकी बहन की हत्या कर दी।

जागरूक, सशक्त एवं स्वावलम्बी नारी ही एक सभ्य, सदृढ़ एवं विकसित समाज का आधार है

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- शासन की मंशानुरूप मिशन शक्ति अभियान के चतुर्थ चरण (फेज-4) के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में जनपदीय पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं(छात्राओं) को जागरूक, स्वावलम्बी बनाने, उनमें सुरक्षित परिवेश की अनुभूति कराते हुए, जनजागरूकता पैदा कर एवं दुराचारियों की पहचान उजागर करने, एवं महिलाओं एवं नाबालिग बच्चियों के साथ घटित होने वाले अपराध (जैसे दुष्कर्म, अपहरण, छेड़खानी, चैन स्नैचिंग इत्यादि) घटनाओं एवं होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करने एवं महिलाओं/बालिकाओं में आत्मविश्वास की भावना पैदा करने के उद्देश्य से महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया। मिशन शक्ति के चतुर्थ चरण (फेज-4) के तहत आज दिनांक 03.11.2023 को जनपदीय पुलिस द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित कर, स्कूल, कॉलेज, भीडभाड़ वाले स्थान पर महिलाओं, बालिकाओं छात्राओं से संवाद स्थापित करते हुए महिला सुरक्षा, महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित विभिन्न प्रमुख कानून, महिला हिंसा से सम्बन्धित तथा अन्य शिकायतों के निवारण हेतु विभिन्न हेल्पलाइन फोरम के सम्बन्ध में जानकारी एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनको जागरूक किया गया। महिला सुरक्षा के संबंध में जागरूक करते हुए,महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित विभिन्न प्रमुख कानुनों यथा- घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, अनैतिक व्यापार निवारण, पॉक्सो, बाल विवाह प्रतिषेध, बाल श्रम एवं भारतीय दण्ड संहिता में महिलाओं की गरिमा के विरूद्ध प्रमुख अपराध आदि की जानकारी दी गई। विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे की मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बैंकिंग करस्पाण्डेण्ट सखी, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री ममृत वन्दना योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पी0एम0 स्वनिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना वन स्टॉप सेण्टर, सेफ सिटी योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फी सिलाई मशीन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, यूपी0 भाग्य लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट जैसी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान कर महिलाओं बालिकाओं को जागरूक किया गया। साथ ही महिला हिंसा से सम्बन्धित तथा अन्य शिकायतों के निवारण हेतु चलाई जा रही विभिन्न हेल्पलाइन/फोरम जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा - 112, सी0एम0 हेल्प लाइन नम्बर चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098, वन स्टाप सेण्टर-181, साइबर हेल्प लाइन - 1930 स्वास्थ्य हेल्प लाइन - 102 एम्बुलेन्स सेवा - 108, जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की महिला हेल्प डोर जिला संरक्षण अधिकारी, राष्ट्रीय / राज्य महिला आयोग, जनपद न्यायालय में स्थित जिला विधिद सेवा प्राधिकरण, के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया।

सिरमौर विधानसभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हजारों की तादात में मौजूद भाजपा प्रत्याशी दिव्यराज सिंह के पक्ष में जनमानम को किया संबोधित

क्यूँ न लिखूँ सच
अखिलेश कुमार तिवारी

सिरमौर विधानसभा सभा क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी तेज है, जहा पर आज भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी दिव्यराज सिंह के पक्ष में जनता को सम्बोधित करने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सिरमौर पहुचे, और जन सभा को सम्बोधित करते हुए सिरमौर क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा कि जो विकास भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में हुआ है वह कांग्रेस की कमलनाथ की सरकार में नहीं हुआ, जो केन्द्र से योजनाएं भेजीजा रही थी कांग्रेस सरकार ने उसे भी वापस कर दिया था, जिससे लगभग दो लाख प्रधानमंत्री आवास योजना का धन वापस दिल्ली भेजा गया था, ऐसे ही जितनी भी जन कल्याणकारी योजना रही हो उसे लागू नहीं किया गया, मंच से भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिव्यराज सिंह को जिताने की अपील किये, जेपी नड्डा ने सिरमौर विधानसभा क्षेत्र में हुए विकास कार्यो को खुलकर जनता के सामने रखा ।उन्होंने कहा की सिरमौर में सिविल अस्पताल बना, जवा में एसडीएम कोर्ट ,क्षेत्र में बेहतर रोड, पानी की व्यवस्था भाजपा के द्वारा की गई। जो कि यह साफ दर्शाता है की दिव्यराज सिंह ने सिरमौर विधानसभा क्षेत्र में बेहतर कार्य किया है। इसलिए एक बार पुनः दिव्यराज सिंह को विधायक बनाइए ताकि क्षेत्र में सर्वांगीण विकास हो सके। वही जेपी नड्डा के संबोधन से पहले भाजपा प्रत्याशी दिव्यराज सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का जोरदार स्वागत किया।और उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने अपने 10 वर्ष के कार्यकाल में पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ जनता की सेवा की है। सिरमौर में शिक्षा ,स्वास्थ्य समेत शासन की विभिन्न योजनाओं को धरातल में उतारने का कार्य किया है और जहां भी भूल हुई होगी निश्चित तौर पर मैं सुधारने की कोशिश करूंगा ।मैं राजा नहीं बल्कि जनता का सेवक हूं। और निरंतर सिरमौर क्षेत्र की जनता का सेवा करता रहूंगा ।चुनावी जनसभा में बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी , ओमप्रकाश उरमालिया भाजपा मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में युवा मंडल के पदाधिकारी द्वारा बाइक रैली अतरैला से होते हुए सिरमौर तक निकाली गई जिसमें युवा मंडल के रवि ,युवा मोर्चा मीडिया प्रभारी राकेश दुवोदी एवं उनके युवा मंडल के समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे वही पूर्व मंत्री पुष्पराज सिंह, प्रदेश महामंत्री राजेश पांडेय,रीवा के पूर्व महापौर , गुप्ता,प्रज्ञा त्रिपाठी,भाजपा जिला उपाध्यक्ष द्वय कुंवर पुष्पेंद्र सिंह संजय द्विवेदी, तीनो नगर परिसद के अध्यक्ष , सिरमौर जनपद अध्यक्ष रबीना साकेत ,भाजपा नेता बृजेश सिंह मंगल, विजय सिंह बिल्लू समेत सिरमौर के भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता आम नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे*

फरार 6 लोगो पर 25-25 हजार का इनाम किया घोषित

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- एसएसपी राजेश कुमार सिंह ने फरार 6 लोगो पर 25-25 हजार का इनाम किया घोषित कोतवाली देहात के रेलवे पुल पर सिंध पंजाव ढावा के मालिक दिनेश सिंह पर बीते दिनों किया था जानलेवा हमला, राजेश उर्फ राजू पुत्र विजय सिंह निवासी गुदरगंज थाना निंधौली कला पर 25 हजार का इनाम किया गया घोषित, संजय उर्फ वडडन पुत्र विजय सिंह निवासी गुदरगंज थाना निधौली कला पर 25 हजार का इनाम किया घोषित, उपेंद्र पुत्र श्यामपाल निवासी गूदरगंज थाना निधौली कला पर 25 हजार रूपऐ का इनाम किया गया घोषित, दिनेश पुत्र महावीर सिंह निवासी गूदरगंज थाना निधौली कला पर किया गया 25 हजार इनाम घोषित, सत्येंद्र उर्फ सत्ता पुत्र कुवर पाल सिंह निवासी गूदरगंज थाना निंधोली कला पर भी गया 25 हजार रूपये इनाम घोषित, जितेंद्र उर्फ जीतू पुत्र श्यामपाल सिंह निवासी गूदरगंज थाना निधोली कला पर भी 25 हजार रूपऐ का इनाम किया गया घोषित, फरार सभी लोगो को कोतवाली देहात मे संगीन धाराओं दर्ज है मुकदमा,

एटा एसएसपी राजेश कुमार सिंह ने स्पस्ट किया है, अभियुक्त मुठभेड़ मे मारा जाता है तो ऐसी दिशा मे पुरुस्कार धनराशि जाँच पूर्ण होने के उपरांत संतुष्ट होने की दशा मे स्वीकृत की जाएगी, एसएसपी ने,छत्र अपराध,छत्र जोन आगरा को भेजा पत्र, एसएसपी राजेश कुमार सिंह ने DIG STF को भी भेजा पत्र

खेत से मक्का तोड़ते देख दुष्कर्म में असफल रहने पर नाबालिग किशोरी की हत्या करने वाला ब्रजेश उर्फ विदेशी कडी मशक्कत के बाद गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा - वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिहं एवं अपर पुलिस अधीक्षक धनंजय सिहं कुशवाहा ने आज शनिवार को पुलिस लाईन सभाकक्ष में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान थाना अलीगंज क्षेत्र के ग्राम झकरई में पिछले ढाई महीने पूर्व एक नाबालिग बालिका को जूनियर हाई स्कूल झकरई से लौटते समय मक्के के खेत में भुट्टा तोडते वक्त बलात्कार की नीयत से पकडकर दुष्कर्म में असफल रहने की रहस्यमयी घटना में एक अभियुक्त ब्रजेश उर्फ विदेशी पुत्र रामदास निवासी ग्राम झकरई को गिरफ्तार करने के बाद घटना का सफल अनावरण करते हुऐ बताया कि 21.08.2023 को वादी द्वारा थाना अलीगंज पर इस आशय की लिखित सूचना दी गयी कि उनकी पुत्री घर से पढ़ने के लिए जूनियर हाईस्कूल झकरई गयी हुयी थी, दोपहर 02.00 बजे तक वह घर नहीं पहुंची तो तलाश करने पर उसका शव अशोक कुमार पुत्र रामादास के खेत में मिला। उनकी पुत्री की किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा गला दबाकर हत्या कर दी गयी है। इस सूचना पर थाना अलीगंज पर मुअसं-235/2023 धारा 302, 201 भादवि बनाम अज्ञात व्यक्ति पंजीकृत किया गया। इस सनसनीखेज घटना के अनावरण हेतु स्वॉट तथा सर्विलांस के साथ ही इंस्पेक्टर बेगराम सिहं कश्यप के नेत्रत्व में एसआईटी का गठन किया गया, लोगों से पूछताछ की गई। आज शनिवार को थाना अलीगंज पुलिस द्वारा समय करीब 10.15 बजे मुकदमा उपरोक्त में प्रकाश में आए अभियुक्त बृजेश उर्फ विदेशी पुत्र रामदास निवासी झकरई थाना अलीगंज को ग्राम झकरई में बने तालाब के पास से गिरफ्तार किया गया है।

सरकारी पैसे को खर्च नहीं कर पा रही ,ग्राम पंचायतें

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- जिले की 50 से अधिक ग्राम पंचायत ऐसी हैं जो सरकारी पैसे को खर्च नहीं कर पा रही हैं। एक वर्ष से अधिक का समय होने के बाद जिम्मेदारों को इसकी भनक लग सकी। गांव के विकास कार्यों को लेकर शासन से लेकर अधिकारियों तक का जोर है। एक पंचायत तो ऐसी है जिसके खाते में करीब डेढ़ करोड़ रुपया पड़ा हुआ है। बार-बार जनता के कहने के बाद भी काम नहीं करा रहे। हर वर्ष गांवों में विकास कार्य कराने के लिए पैसा आता है। 50 गांव ऐसे हैं जो काम कराने के लिए तैयार नहीं है। पूरा वर्ष बीतने को है। इन गांवों में फूटी कौड़ी तक खर्च नहीं की है। सरकार से जो पैसा मिला वह उनके खातों में ही पड़ा है। 569 ग्राम पंचायतों में से 50 पंचायतें हैं जिनके खाते में पांच लाख रुपये अधिक है। इसमें भी अधिकांश पंचायतें ऐसी है जिनमें 25 लाख रुपये से लेकर डेढ़ करोड़ रुपया तक पड़ा है। पैसा खर्च न होने पर सरकार की इन पंचायतों पर नजर गई तो स्थानीय जिम्मेदारों को पता चला कि यह पंचायतें तो कोई काम ही नहीं करा रही है। इनके खातों में विकास के लिए जो पैसा आया है वह खर्च नहीं हुआ है। गांवों में है खराब हालात एटा। पैसा खर्च न होने के कारण गांवों में हालात खराब है। कई गांवों में जल भराव के कारण गंदगी के अंबार लगे हैं। इससे लोग आए दिन तहसील दिवस आदि में पहुंचकर शिकायतें करते हैं। करीब चार गांवों में डीएम ने टीम भेजकर सफाई कराई है। इन पंचायतों में है अधिक पैसा एटा। ग्राम पंचायत अंगरई जमुनाई में 1.68 करोड़, खडउआ में 50 लाख, पिलुआ में 28 लाख, अलीपुर में 40 लाख, कीलरमऊ आदि गांव की ग्राम पंचायतों के खाते में इतना पैसा है। इसके अलावा पांच लाख से अधिक रूपया है।

पत्रकार एकता संघ द्वारा सम्मान श्रृंखला आरम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। सर्व समाज के आम जनमानस के जीवन को सहज, सरल एवं सुलभ सुविधाजनक वातावरण निर्मित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, समाजसेवियों, वरिष्ठजनों को सम्मानित करने का लक्ष्य पत्रकार एकता संघ के संस्थापक-जुनैद सानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष-के0डी0 सिंह, प्रदेश अध्यक्ष- मयंक सैनी एवं प्रदेश महामंत्री ओमप्रकाश उदैनियाँ के कुशल निर्देशन में सम्मान श्रृंखला का प्रारंभ किया गया है। गौर एवं शहर कोतवाल संजय कुमार गुप्ता का स्मृति प्रतीक चिन्ह एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया झाँसी। केंद्र सरकार द्वारा संचालित जनपद झाँसी के सहायक निदेशक बचत मृदुभाशी, सहज सरल स्वभाव के स्वामी श्री अरविंद गौर (प्रभारी-जिला सूचना अधिकारी, झाँसी) को (विभिन्न समाचार पत्रों के प्रतिनिधि जो कि पत्रकार एकता संघ के मंडल एवं जिला के पदाधिकारी हैं ने श्री गौर साहब की उत्कृश्ट कार्य प्रणाली, कार्य कुशलता को दृष्टिगत रखते हुए, माल्यार्पण करते हुये, स्मृति प्रतीक चिन्ह, सम्मान-पत्र व समय की तलाश समाचार पत्र की प्रति भेंट करते हुये सम्मानित किया। उक्त सम्मान को पाकर श्री गौर अभिभूत हुये व औपचारिक चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि 1 जुलाई 2020 को लखनऊ से स्थानांतरण होकर झांसी में अपनी योगदान आख्या सहायक निदेशक बचत के रूप में ग्रहण की। झाँसी हमेशा से बचत के मामले में उत्तर प्रदेश में प्रथम वरीयता सूची में रहा है। कोरोना कालखण्ड 2020 में झाँसी जनपद ने बचत के लक्ष्य 1 अरब 15 करोड़ के सापेक्ष 1 अरब 25 करोड 104 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया इसी प्रकार वर्श 2021 में एक अरब 15 करोड़ के सापेक्ष एक तरफ 66 करोड कर 144 प्रतिशत अतिरिक्त जमा कराकर पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। कोरोना कल में जब लोग घरों के अंदर थे उनका पैसा अधिक खर्च नहीं हुआ उन्होंने बचत करते हुए एक अच्छी रकम जमा की जो कि काबिले तारीफ है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए 2022 में केंद्र सरकार द्वारा लक्ष्य को लगभग तीन गुना करते हुए 3 अरब 47 करोड़ का लक्ष्य निर्धारित करते अगस्त 2022 तक 31 प्रतिशत के सापेक्ष 41 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करते हुये अपने बचत की बढ़त को बरकरार रखा। वर्तमान वित्तीय वर्श 2023 के अगस्त माह तक निर्धारित लक्ष्य 31 प्रतिशत के सापेक्ष झांसी कार्यालय द्वारा 47 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया। उक्त कार्य को मूर्तरूप देने के लिये जनपद झांसी में 36 पोस्ट ऑफिस हैं को कायम रखने में प्रमुख भूमिका षहर कोतवाल संजय कुमार गुप्ता की रही। जिसके लिये पत्रकार एकता संघ के पदाधिकारियों कोतवाली पहुंचकर सम्मान-पत्र,स्मृति चिन्ह भेंटकर माल्यार्पण कर स्वागत किया। श्री गुप्ता ने सभी पत्रकारों का अभिवादन स्वीकार करते हुये भरोसा दिलाया भविश्य पूरी कोषिष रहेगी किसी प्रकार का कोई दंगा अथवा अराजकता क्षेत्र में व्याप्त न हो। तथा साफ षब्दों में कहा कि गुण्डागर्दी, लूट घसोट एवं अराजकता करने वालों के प्रति सख्त कार्यवाही करने में गुरेज नहीं की जायेगी। उपस्थित पत्रकारों से अपील करते हुये कहा कि आप लोग भी समाज में व्याप्त गलत गतिविधियों पर नजर रखें और हमें सूचित करें, तुरन्त कार्यवाही की जायेगी। उक्त सम्मान करने वालों में पत्रकार एकता संघ के मण्डल अध्यक्ष प्रेमप्रकाष अग्रवाल, मण्डल उपाध्यक्ष अवधेष चतुर्वेदी, मण्डल महामंत्री पंकज रावत, मंण्डल महासचिव राकेष कुमार कुषवाहा, मण्डल संगठन मंत्री अमित कुमार तिवारी, मंडल सचिव मित्रेष कुमार सारस्वत, सत्ता सुधार से प्रतीक सैमसन, अमित वर्मा, समय की तलाष से सिटी रिपोर्टर राकेष कुमार, वरूण अग्रवाल आदि मुख्य रूप् से उपस्थित रहे।

झाँसी मेडिकल कॉलेज में प्रधानाचार्य कक्ष में छात्रों ने की तोड़फोड़, पीएसी समेत 4 थानों की पुलिस पहुंची

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार रात को एमबीबीएस इंटर्न और नर्सिंग स्टूडेंट के बीच जमकर बबाल हुआ। पहले इंटर्न स्टूडेंट ने नर्सिंग छात्रों के साथ मारपीट कर दी। इससे गुस्साए नर्सिंग छात्रों ने मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ऑफिस में जाकर तोड़फोड़ कर दी। उसके बाद पीएसी समेत चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। और हल्का बल प्रयोग करके छात्रों को खदेड़ दिया। एमबीबीएस इंटर्न और नर्सिंग के कुछ छात्रों को हिरासत में लिया गया है। प्रिंसिपल डॉ. नरेंद्र सिंह सेंगर ने दोनों पक्षों को शाम 3 बजे अपने ऑफिस में बुलाया था। इससे पहले ही मेडिकल कॉलेज के गेट नंबर-1 के पास नर्सिंग छात्र और एमबीबीएस इंटर्न के बीच झगड़ा हो गया। मारपीट करने पर एमबीबीएस इंटर्न राजेश मीना ने विश्वविद्यालय चौकी में शिकायत दी। इसके बाद दोनों पक्ष प्रिंसिपल ऑफिस पहुंच गए। एक-एक करके दोनों पक्षों को सुना गया। सिक्योरिटी गार्ड नर्सिंग के छात्र-छात्राओं को गेट नंबर 4 से लेकर जा रहे थे। गेट से पहले ही 15 से 20 एमबीबीए इंटर्न स्टूडेंट्स ने नर्सिंग स्टूडेंट को घेर लिया और सिक्योरिटी गार्डों की मौजूदगी में मारपीट की। तब नर्सिंग स्टूडेंट ने हॉस्टल में फोन कर दिया। वहां से काफी संख्या में छात्र-छात्राएं लाठी, डंडे और सरिया लेकर पहुंच गए। तब तक एमबीबीएस इंटर्न स्टूडेंट भाग चुके थे। इसके बाद गुस्साए भीड़ प्रिंसिपल ऑफिस में पहुंच गई। वहां पर डंडे मारकर खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए, और भी जगह तोड़फोड़ कर दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने लाठियां भांजकर छात्रों को भगाकर मामला शांत कराया।

दौड़ेगा सिंगरौली लोकतंत्र के लिए रैली निकाली गई बीछी विद्यालय से

क्यूँ न लिखूँ सच
मानस मिश्रा

लोक तंत्र कि दौड़ का आयोजन और मतदाता जागरूकता रैली आज हाई स्कूल बीछी और माध्यमिक विद्यालय बीछी द्वारा निकाली गई जिसमें सभी बच्चें प्रमुखता से हिस्सेदारी लिए और लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करवाया गया यह रैली करीब दो किलोमीटर दूर तक निकाली गई जिसमें कई अभिभावक गण और विद्यालय के शिक्षक प्रमुख रूप से उपस्थित हुए जिसमें विद्यालय के प्राचार्य सुनील चौधरी, सुरेश कुमार अहिरवार, राजेश्वर प्रसाद यादव , नेहा परिहार, राजेंद्र प्रसाद पटेल राजेश मिश्रा, अतुल मिश्रा सतेंद्र धर द्विवेदी उमेश शुक्ला अंजली सिंह नीलेश कुमार जयसवाल अजय कुमार केवट और समस्त स्टाफ और बच्चो ने समस्त ग्रामवासियो को रैली के माध्यम से मतदान करने का संदेश दिए

5 दिनों में 70 किसानों के धान व अरहर की खेती को जंगली हाथियों ने किया चौपट

वन परिक्षेत्र बिहारपुर में हाथियों का उत्पात जारी ,दहशत में रात गुजार रहे ग्रामीण

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल
सुरजपुर जिले के वन परिक्षेत्र बिहारपुर क्षेत्र में हाथियों का उत्पात लगातार जारी है 31 अक्टूबर 2023 से 03 नवम्बर तक में ग्राम पंचायत पासल, कछिया, नवडीहा, बसनारा मोहरसोप व जुड़वनिया में 70 किसानों का लगभग 30 से 35 जंगली हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। क्षेत्र में हाथी ने ग्रामीणों के धान व अरहर की फसलों को खा कर रौंद कर चौपट कर दिए हैं। वही ग्रामीणों से मिली जानकारी अनुसार कई महीनो से क्षेत्र में हाथियों का उत्पाद जारी है अब तक लगभग 150 से 200 किसानों का फसल को खाकर रौंद कर चौपट कर दिए हैं। वहीं ठंड के महीने में ग्रामीण रात जागरण करने के लिए मजबूर हैं। वही गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान व वन परक्षेत्र बिहारपुर के वन कर्मियों द्वारा ग्रामीणों को कोई सहयोग नहीं किया जा रहा है ना नहीं जंगली हाथियों को भगाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं शासन-प्रशासन की ओर से मिलने वाली हाथी प्रभावित क्षेत्र में ना ही टॉर्च का वितरण किया गया है नहीं बचने के लिए उपाय सामग्री मिला है जिससे ग्रामीण काफी आक्रोश में है

हर वर्ष दर्जनों जंगली हाथी यहां देते हैं बच्चा

ग्राम पंचायत मोहरसोप के पटेल ने बताया सूरजपुर जिले के सीमावर्त क्षेत्र में गुरु घासीदास का घना जंगल एवं लगभग दर्जनों गांव में विद्युत लाइट की उजाला नहीं होने से क्षेत्र में हाथियों का झुंड लगभग 5 साल से क्षेत्र में डटे हुए हैं कभी गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में तो कभी तमोर पिंगला अभ्यारण वही कभी वन परक्षेत्र बिहरपुर के जंगलों में जंगली हाथियों का डेरा जमा हुआ। ग्राम बसनारा के जंगल व नदी में हर वर्ष दर्जनों जंगली हाथियों द्वारा बच्चा दिया जाता है जिससे क्षेत्र को और ही प्रभावित कर रहे हैं

वही बच्चों को गर्मी बरसात सहित ठंडी में गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के जंगल में बच्चों को पालने के लिए अच्छा रहने और खाने की जगह है जहां चारों ओर झरना क घना जंगल है जिससे कई दर्जनों की संख्या में जंगली हाथी हमेशा डेट रहते है वही इस संबंध में वन परिक्षेत्र बिहरपुर के रेंजर मेवालाल पटेल ने बताया कि क्षेत्र में 28 के लगभग जंगली हाथी हैं वहीं पिछले 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक 70 किसानों के फसल को जंगली हाथियों द्वारा खाकर रौद कर चौपट कर दिए हैं वही कागजी कार्यवाही कर उन्हें उचित क्षतिपूर्ति दिया जाएगा

शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में चलाया गया नव मतदाता जागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल
सुरजपुर -विधानसभा निर्वाचन 2023 को ध्यान में रखते हुये भटगांव विधान सभा क्षेत्र के चांदनी बिहारपुर तहसील के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सूरजपुर के दिशा निर्देश में शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर के प्राचार्य जे. आर. पैकरा जी. के मार्गदर्शन में एवं सहायक प्राध्यापक एवं कालेज कैंपस प्रोफेसर नोडल अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के संचालन में शपथ दिलाया गया एवं 100 प्रतिशत मतदान कराने का लक्ष्य निर्धारित कर जन-जन तक संदेश देने की बात कही । धीरेंद्र जायसवाल ने अपने संबोधन में बताया गया कि लोकतंत्र में मतदान करना हर मतदाता का अधिकार है, इससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है और देश को नई गति मिलती है। कैंपस अम्बेसडर छात्रा आरती जायसवाल और छात्र राजबीर सिंह ने ने बताया कि लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने में एक-एक मतदाता अहम भूमिका निभाता है। इसके महत्व को समझाया गया । कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षण स्टॉफ सुश्री आभा रंजना कुजूर, चंद्रदेव राजवाडे , सचिन कुमार मिंज , प्रियांशु जायसवाल, शिखा दुबे ,रितेश नि आर्य, नरेंद्र बंजारे , अखिलेश रवि , हरिशंकर डहरिया, श्रीमती सांडिल्य, भोला प्रसाद एवं समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्यालयो में मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास
मऊरानीपुर उपजिलाधिकारी गोपेश तिवारी के द्वारा मतदाता सूची के बूथ संख्या 336 और 337 प्राथमिक विद्यालय खरकासानी तथा बूथ संख्या 333,334,335 प्राथमिक विद्यालय रेलवे स्टेशन मऊ देहात में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के अंतर्गत विशेष अभियान दिवस का निरीक्षण किया गया।

नगर पालिका परिषद के वार्ड में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण उपजिलाधिकारी ने किया

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास
मऊरानीपुर नगर पालिका परिषद के वार्ड नम्बर 1 व 2 में उपजिलाधिकारी गोपेश तिवारी के द्वारा सफाई ब्यबस्था का निरीक्षण किया। जिसमें शिवगंज से निकले बड़े नाले की सफाई को लेकर नगर पालिका के कर्मचारियों को निर्देश दिए। जिससे नगर में किसी तरह की गंदगी नजर न आये इस मौके पर सफाई निरीक्षक राजेन्द्र रावत,आशीष कौशिक, समाज सेवी राजेन्द्र राहुल आदि लोग मौजूद रहे।

जंगल हाथी के हमले से चौकीदार की मौत, वनपाल हुआ घायल इलाज जारी

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल
सुरजपुर - तमोर पिंगला अभ्यारण्य रमकोला के वन क्षेत्र बोंगा में जंगली हाथी के हमले से एक चौकीदार की मौत वहीं वनपाल घायल हो गया। दरअसल जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम लगभग 04=00 बजे तमोर पिंगला अभ्यारण्य रमकोला के वनपाल रामसाय राम उम्र 42 वर्ष व चौकीदार रामचंद्र राम पिता सुख साथ उम्र 58 वर्ष दोनों मोटरसाइकिल से सेंचुरी क्षेत्र बोंगा से धौलपुर की ओर जा रहे थे। कि अचानक बोंगा से लगभग सात किलोमीटर दूर सेंचुरी क्षेत्र के झोरो-झिंटो जंगल के रास्ते में मौजूद हाकु नाला लगा हुआ है जहां पर अचानक उन दोनों का सामना जंगल में विचरण कर रहे 27 हाथियों के दल से हो गया।हाथियों के दल को अपने सामने खड़ा देखकर दोनों मोटरसाइकिल से उतरकर एक दूसरे की अलग-अलग दिशा में भागने लगे जिसमें वनपाल भागने में कामयाब हो गया वहीं चौकीदार रामचंद्र की भाग नहीं सका और हाथियों दल से एक हाथी ने उसे अपनी सूंड़ में लपेटकर जमीन पर पटकते हुए पैरों से कुचल दिया, जिसके कारण उसका शरीर क्षत-विक्षत हो गया चौकीदार की मौके पर ही मौत हो गई, हालांकि वनपाल इधर हाथियों के दल से बचकर निकलने में कामयाब हो चुके थे वनपाल रामसाय राम कई जगहों पर घबराकर घायल अवस्था में शाम सात बजे के आसपास बोंगा पहुंचे व घटना की जानकारी अभ्यारण्य रमकोला (सेंचुरी क्षेत्र) के अधिकारियों को दी।सेंचुरी क्षेत्र के डिप्टी रेंजर अजय सोनी ने घटना की जानकारी में क्या कहा ... तो वही रेंजर ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही हाथियों के दल से बचकर पहुंचे वनपाल को मैंने पहले स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर भिजवा दिया है और उसके साथी मृतक चौकीदार की तलाश के लिए एक टीम तत्काल बनाई थी। वन परिक्षेत्र घुई के स्टाफ, बोंगा के सरपंच राजकुमार नेटी, ग्रामीण व चौकीदार के स्वजनों को शामिल कर हाकु नाला पहुंचे तो बारीकी से खोजबीन करने पर हाकु नाला से लगभग 15 मीटर की दूरी पर चौकीदार का शव हमें मिला । जहां बनाई गई टीम ने रात भर मृतक के शव की पहरेदारी की फिर सुबह होते ही तमोर पिंगला अभ्यारण्य के अधिकारी कर्मचारी मृतक के शव को वाहन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर लेकर पहुंचे व साथी पोस्टमार्टम पश्चात शव स्वजनों के सुपुर्द करने के साथ ही तात्कालिक सहायता राशि के रूप में पच्चीस हजार नकद राशि दे दी गई है।

कोटेया में निकाली मशाल रैली, शत प्रतिशत मतदान करने किया आह्वान

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल
सुरजपुर - छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा निर्वाचन में शत प्रतिशत मतदान कराने मतदाताओं को जागरूक करने हेतु स्वीप के तहत अनेक कार्यक्रम आयोजित करने जिला शिक्षा अधिकारी रामललित पटेल जी के पत्रानुसार, बीईओ आलोक कुमार सिंह के निर्देशानुसार विकास खण्ड के सभी विद्यालयों में स्वीप के तहत मशाल रैली का आयोजन किया जाना था इसी तारतम्य में प्राचार्य लीनु मिंज के सहयोग से व्याख्याता कृष्ण कुमार ध्रुव के नेतृत्व में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटेया, प्रेमनगर में मशाल रैली निकाली गई। बता दें कि छत्तीसगढ़ में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे जिसके दूसरे चरण 17 नवम्बर को मतदान किया जाएगा। इसमें मतदाताओं की शत प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करने कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के सतत मॉनिटरिंग व निर्देश से जिले में लगातार जागरूकता रैली का आयेजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में प्रेमनगर विकास खंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटेया में नियत तिथि अनुसार मशाल रैली विद्यालय परिसर से निकालकर स्लोगन व नारे के साथ कोटेया अटल चौक में ग्रामीणों को मतदान करने बताया गया तत्पश्चात रैली को आगे बढ़ाते हुए बाँसपारा तक ले गए

जहां पर ग्रामीण मतदाताओं को मतदान में अपने अमूल्य अधिकार के महत्वता के साथ उपयोग करने बताया गया। जिला शिक्षा अधिकारी रामललित पटेल ने कहा स्वीप के तहत मशाल रैली का आयोजन जिले के समस्त हाई और हायर सेकेंडरी विद्यालय में किया गया। इस मशाल रैली के माध्यम से मतदाता जागरूकता फैली है। लोगों को मतदान के बारे में बताकर शत प्रतिशत मतदान करने कहा गया। आने वाले 17 नवम्बर को जिले के विधानसभा में चुनाव है जिसमें सभी मतदाताओं को मतदान करने अपील की गई।रामललित पटेल जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर प्रेमनगर विकास खंड शिक्षा अधिकारी आलोक कुमार सिंह ने बताया कि इस विधानसभा चुनाव की विशेष तैयारी व मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के लिए सभी प्राचार्यों को कहा गया है। निर्वाचन में सभी मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने विकास खंड के सभी विद्यालयों में अनेक कार्यक्रम आयोजित की जा रही है। इसका हमें उपयोग करना है। चुनाव के दिन सबसे पहले मतदान कर अपने अन्य कार्य करने कहा गया। मशाल रैली प्रभारी कृष्ण कुमार ध्रुव ने अपने हाथों में मशाल थाम कर युवाओं और बुजुर्गों को अधिक से अधिक मतदान करने का संदेश दिया। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि आगामी 17 नवंबर को एक बार अवश्य मतदान करें और बूथ व विधानसभा क्षेत्र को मतदान में नंबर वन करने कहा। आगे ध्रुव ने रैली के दौरान मतदाताओं से मिलकर उनको आने वाले 17 नवम्बर के विधानसभा निर्वाचन में अपने अधिकार का सदुपयोग कर मजबूत लोकतंत्र की स्थापना में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने कहा गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य लीनु मिंज, व्याख्याता मालिक राम भारद्वाज, कृष्ण कुमार ध्रुव, आशिषि जैल्स लकड़ा, तूल सिंह कंवर, कुंती सिंह, रीता बर्मन, गोपाल प्रसाद मैत्री, माध्यमिक शाला प्रधान पाठक मसत राम सिंह, प्राथमिक शाला प्रधान पाठक जयपाल सिरदार, शिक्षक विनोद कुमार कैवर्त, अंजना शांडिल्य, पुष्पा सिदार, शिवशोभन, प्रेम पंडो सहित प्राथमिक, माध्यमिक व हायर सेकेंडरी कोटेया के छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

तीन दिवसीय इंटर स्कूल लॉन टेनिस टूर्नामेंट का हुआ समापन

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा। तीन दिवसीय इंटर स्कूल टेनिस टूर्नामेंट का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जगप्रवेश सी. डी. ओ. एवं विशिष्ट अतिथि वी. के. मिश्रा प्रिंसिपल डी. पी. एस. रहे।चेयरमैन पारुष अरोरा ने मुख्य अतिथियों को तुलसी का पौधा और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। प्रिंसिपल श्रीमती सक्सेना ने तुलसी का पौधा देकर विशिष्ट अतिथि वी. के. मिश्रा का स्वागत किया। कोआर्डिनेटर शिवानी सूरी ने विशिष्ट अतिथि निर्भय बेनीवाल प्रेसीडेंट आई. एस. ए. बरेली को तुलसी का पौधा देकर स्वागत किया। टूर्नामेंट में सीबीएसई स्कूलों की 15 टीमों के 75 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लेकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। खेल समापन समारोह का फाइनल परिणाम में बालक वर्ग - अंडर 14 टीम इवेंट में- अल्मामातेर ने द गुरु स्कूल को 4-3, 4-2 से, बालक वर्ग अंडर 19 टीम इवेंट में अल्मामातेर ने जी. डी. गोयनका को 4-1,1-4,4-3 से, बालिका वर्ग अंडर 19 में अल्मामातेर ने सेंट जेवियर्स को 4-0,4-0से पराजित कर टूर्नामेंट अपने नाम किया । एकल वर्ग बालक अंडर 12 में रुशल सिंहल (जी. आर. एम. ने जश्न (अल्मामातेर) को 4-2,4-2 से ,अंडर 14 में अभिनव (अल्मामातेर) ने कबीर श्रीवास्तव (जी. आर. एम.) को 4-2,4-0 से,अंडर 19 में देव गंगवार (अल्मामातेर) ने तनिष्क सोंधी (जी. डी. गोयनका) को 6-3,6-4से पराजित कर ट्रॉफ़ीअपने नाम की। एकल बालिका वर्ग में महिका खन्ना (अल्मामातेर) ने इशिता अग्रवाल (डी. पी. एस.) को 4-0,4-1से हराकर ट्रॉफ़ी अपने नाम की। विनर टीम अल्मामातेर, डे बोर्डिंग स्कूल और रनर अप टीम द गुरु स्कूल के खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि जग प्रवेश जी सी. डी. ओ. बरेली ने मैडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और अपने भाषण में कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, खेल दिमाग को सक्रिय रखने के साथ आत्मविश्वासी व आशावादी बनने की भावना को साकार करते हैं। अंशु पाल, शुभम, गौरव, तनु गौतम, शिवम और स्पोर्ट्स टीचर कपिल भाटिया, सुमित शर्मा के कुशल नेतृत्व में टूर्नामेंट संपन्न हुआ। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में विनय सोरेन, तरन्नुम, पायल कपूर, शिखा सक्सेना और यति ग्रोवर ने भरपूर सहयोग किया।

महूली के प्राथमिक शाला में लटका ताला शिक्षक नदारत,बच्चे इधर-उधर घूम रहे

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल
सुरजपुर -सूरजपुर जिले के दुर अंचल के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत महूली के प्राथमिक शाला में 9=00 बजे तक ताला लटका रहा बच्चे इधर-उधर घूमते रहे वहीं शनिवार को स्कूल 7 बजे से 12 बजे तक लगता है वहीं शिक्षक न आने से सुबह 10=00 बजे तक प्राथमिक शाला महूली में ताला लटका रहा गांव के ग्रामीण श्याम बाबू जायसवाल ने बताया कि यहां एक शिक्षका है जो कि हमेशा नदारत रहती है समय पर कभी स्कूल नहीं आती जहां प्राथमिक शाला की बच्चों का पढ़ाई प्रभावित हो रहा है शिक्षका की मनमानी से बच्चे सहित ग्रामीण बुजुर्ग परेशान हैं सूरजपुर जिले के दुर अंचल क्षेत्र में शिक्षक की मनमानी आए देखने के लिए मिलता है तत्काल जिला प्रशासन एवं जिला शिक्षा अधिकारी से जांच कर कार्यवाही करने की मांग की है

ड्यूटी के दायित्व का पालन न करने पर मिला कारण बताओ नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच -रामचंद्र जायसवाल
सुरजपुर - स्थैतिक निगरानी दल (एस.एस.टी) के श्री गंगाराम साहू , श्री सुरेन्द्र सिंह, श्री साहिबा गनी, श्री महिपाल राम कुजूर की ड्यूटी विधानसभा क्षेत्र भटगांव (05) में लगाई गई थी। यह ड्यूटी रात्रि 10:00 बजे से प्रात: 06:00 बजे तक के लिए अजबनगर (थाना जयनगर) सरगुजा बॉर्डर चेक पोस्ट में तय थी। एक न्यूज चैनल के वीडियो क्लिप अनुसार ड्यूटी पर तैनात लोग चेक पोस्ट (ड्यूटी स्थल) पर सोते हुए दर्शित पाये गये। जिसके कारण ड्यूटी में दिये गए दायित्वों का निर्वहन सही तरीके से न करने पर सभी को जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

ड्यूटी स्थल से अनुपस्थित एसएसटी कर्मचारी को मिला कारण बताओं नोटिस

सूरजपुर- विधानसभा निर्वाचन में ड्यूटी में लापरवाही पर प्रेमनगर (04) एसएसटी दल के ललित तिर्की को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर (निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण इकाई) द्वारा कोरिया बॉर्डर चेक पोस्ट के निरीक्षण पर ललित तिर्की अनुपस्थित पाए गए। दिये गए दायित्व के निर्वहन में लापरवाही करने के कारण उन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत उन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है।

निर्वाचन संबंधी सामग्री संग्रहण एवं वितरण पर दिया गया प्रशिक्षण

सूरजपुर- आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं प्रशिक्षण नोडल अधिकारी सुश्री लीना कोसम की उपस्थिति मे तीनों विधानसभा 04 प्रेमनगर, 05 भटगांव तथा 06 प्रतापपुर के सामग्री संग्रहण एवं वितरण कार्य मे लगे अधिकारी /कर्मचारियों को जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री प्रेमचंद सोनी द्वारा विधिवत प्रशिक्षण जिला पंचायत सूरजपुर के सभा कक्ष मे सम्पन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी अधिकारी कर्मचारियों को सविस्तार प्रशिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण में सभी संबंधित उपस्थित थे।

What is placenta previa in pregnancy? Know all the important things related to this

Pregnancy Tips: Pregnancy is a very important time for every woman. During this period, many changes take place in their life, the effect of which is visible on their body as well. However, during this time they also have to face many problems. Placenta previa is also one of these problems which sometimes becomes serious. Let us know everything about it – Pregnancy is a very important stage for a woman. During this time they have to face many problems. Placenta previa is one of these, know everything about it - Pregnancy is the most important and pleasant moment of a woman's life. Feeling your life inside you is a different feeling in itself. However, during this period, many changes take place in the body of women, due to which they have to face many problems. Placenta previa is also one of these problems, which is a condition when the placenta everything covers the cervix of the woman. Let us know Placenta is an about this condition - What is placenta? - pregnancy, organ formed in the uterus during to the baby in whose job is to provide food and oxygen It also removes the womb through the umbilical cord. These are toxic substances from the child's blood. pregnancy located above the uterus. As your the womb, and the progresses, the baby develops in expands. This uterus increases in size and from the cervix. keeps moving the placenta away the placenta What is placenta previa? When covers the remains low in the uterus or called placenta cervix half or completely, it is previa occur?- previa. When does placenta in the early If the placenta is near the cervix possible that stages of pregnancy, then it is

both of them may move away from each other in the coming days as the baby develops, but even in the late stages. If the placenta remains near the cervix, it can be a serious condition. This is called placenta previa. This increases the risk of bleeding. Due to placenta previa in late stage, caesarean may have to be done. How many types of placenta previa are there? On the basis of covering of the cervix by the placenta, there are 4 types - Grade 1 - Minor placenta previa (the placenta is located only at the very edge of the cervix and does not cover it anywhere) Grade 2 - Marginal placenta previa (placenta cervix Grade 3 - Partial placenta previa (the placenta covers half the cervix) Grade 4 - Complete placenta previa (the placenta covers the cervix completely) This is considered the most serious grade. How do I know if I have placenta previa? Usually there are no main symptoms. This is detected in an ultrasound test conducted at 18 to 22 weeks. After this, the doctor will keep checking the location of the placenta by doing ultrasound on you regularly. You are advised bed rest. What are the dangers of placenta previa? - the third trimester in 90% of cases. Risk of bleeding after delivery. Danger to the life of mother and baby. Premature delivery.

These symptoms seen at night can be a sign of kidney disease, ignoring them can prove costly.

Kidney Disease Kidney is the most important organ of our body. It helps in removing toxins from the body. Besides, it also plays an important role in many other important tasks. However, due to changing lifestyle and eating habits, people become victims of many kidney related problems. In such a situation, you can identify kidney related diseases by these symptoms. Kidney is one of the most important organs in our body. However, many times people become victims of problems related to it. In such a situation, you can identify it by these symptoms. Every organ present in our body is very important. From heart to kidney, all organs are important for us. Kidney is very important for us, because it helps in from the removing toxins controls body and However, insulin levels. lifestyle changing habits are and eating health. also affecting kidney These days, problems related common. have become situation, it In such a identify is important to in time and these problems properly, treat them

so that serious situations can be prevented. Today in this article we are going to tell you about some such symptoms, which are often seen at night and can be a sign of some kidney related problem. Let us know what this symptom is - Insomnia - If you are a victim of insomnia, then it can be a sign of chronic kidney disease. Sleep disorders are quite common in patients suffering from this disease, which is often ignored. If you also often have problems related to sleep, then do not ignore it. Shortness of breath: If you feel difficulty in breathing at night, then this is one of the most common symptoms related to kidney diseases. This problem occurs due to poor handling of fluid by the kidneys. Especially when lying down, blood does not reach the lungs properly from the lower parts of the body, which causes discomfort and breathlessness. Swelling in feet- Swelling in feet can also be a sign of kidney related disease. If swelling in your legs increases in the evening or night and reduces in the morning, then the reason could be kidney diseases. This may indicate kidney disease caused by medication, primarily chronic kidney failure or glomerulonephritis. Restless Leg Syndrome- This is a problem in which there is a strong desire to move the legs. In this problem, the person often feels discomfort and prickling sensation in the legs and this usually happens in the evening or night. This can also be a sign of kidney disease. Frequent urination- If you are urinating frequently at night, then it can be an early and very small sign of kidney disease. If the person is suffering from any kidney problem, he may have to get up two or more times every night to urinate. If you are also seeing these symptoms, contact your doctor immediately.

What is Down Syndrome? Know everything from its symptoms to its causes

Women are often asked to take special care of themselves during pregnancy. This is because a woman's health directly affects her child. Children often become victims of many problems during pregnancy or after delivery. Down Syndrome is one of these problems. Let us know everything about this serious problem - Down Syndrome is a genetic condition in which an extra chromosome is found inside the person. Normally a child is born with 46 chromosomes, 23 from the mother and 23 from the father and these chromosomes are present in pairs. When an extra chromosome is present on the 21st chromosome, it is called Down syndrome. In this way the child is found to have 47 chromosomes. Because it is linked to the 21st chromosome, it is also called trisomy 21. The chance of having Down syndrome is 1 in 1000. There is also a possibility of mental illness in 30% of the cases of Down syndrome. Down syndrome can affect anyone.

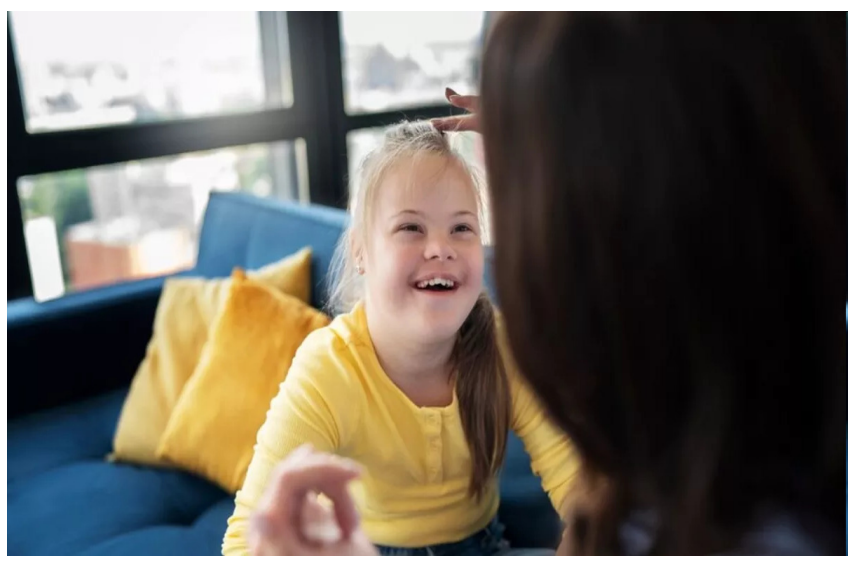

All people with Down syndrome look almost alike. Its physical symptoms are as follows - Sticky nose and face, upward sloping almond-like eyes, small mouth due to which the tongue appears long, small face, short neck, small hands and feet, short fingers, short height. In case of Down syndrome, it is not necessary that the person Suffering from any kind of disease, still the following problems can be found in such people - Heart related problems - Intestinal problems - Trouble in seeing - Trouble in hearing - Thyroid related problems - Blood related problems like leukemia - Sensitive to infections. - Difficulty in remembering - Weak joints and bones - Cause of Down Syndrome - No specific reason is clear. However, some research has found it to be associated with pregnancy at an older age of the mother. Women over 35 have been found to have an increased risk of Down syndrome during pregnancy. Identification of Down syndrome- Down syndrome can be detected before birth through the mother's blood test and a test called amniocentesis. If it is to be identified after birth, then children with Down syndrome can be identified by a different shape of their face. Due to having an extra chromosome, the child's mental and physical development may be different from normal, due to which they can be identified. How to Manage Down Syndrome -First of all, do not despair. Unless it is physically affecting any organ, it is not a serious disease. This can be managed easily. Such children also have separate schools and if mentally everything is normal, then they can take admission in a normal school also. Keep getting organs like eyes, ears, heart tested from time to time. Maintain good diet. Stay in constant touch with a right doctor and keep getting regular checkups done. Get speech therapy done, so that they can talk normally. Keep getting counselling, so that mental illness can be detected and it can be cured in time.

Satisfy your small hunger pangs in the evening with these low calorie and protein rich snacks and stay in shape.

Healthy Snacks: To satisfy small hunger pangs in the evening, most people choose the option of samosas and pakodas. These may seem fun to eat but are not at all a healthy option for health. In such a situation, we have brought for you a healthy and tasty snack that can be made in minutes. Let us know how to make it. Low calorie and protein rich healthy snacks. Make healthy bhel from moong dal. Along with satisfying hunger, we will remain in shape. By adopting healthy eating habits, we can remain healthy and in shape for a long time. Diets rich in protein, fiber and low in calories are best for health, but sometimes one does not feel like eating them due to their bland taste. But today we have brought for you such a healthy and tasty dish which is tasty and also beneficial in satisfying hunger in the afternoon or evening. Let us know about this recipe and how to make it. This recipe has been shared by

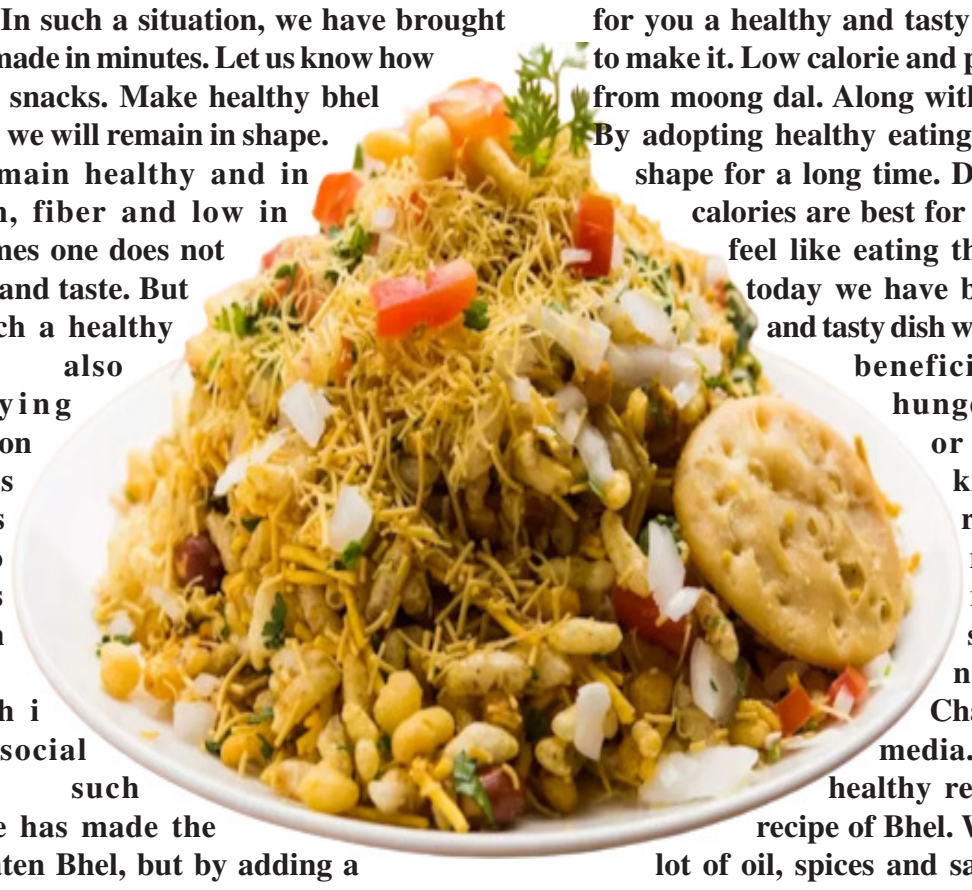

Rashi Chaudhary on her social media. She often shares such healthy recipes. This time he has made the recipe of Bhel. We all must have eaten Bhel, but by adding a lot of oil, spices and salt to it, we make it tasty but reduce the benefits it provides, so here the nutritionist has suggested how to make Bhel healthy and tasty. , have shared its recipe. He has suggested that you can eat this Bhel anywhere from breakfast to lunch to evening snacks. Let's know how to make it. How to make Healthy Bhel Ingredients: Sprouted Moong - 250 grams, Peanuts - 3 tablespoons, Grated Carrot - 1/2 cup, Tomato - 1 chopped, Onion - 1/2 chopped, Seven - 2 tbsp coriander leaves for garnishing. Make Bhel like this - First of all, put lightly boiled moong in a big bowl. - Add dry roasted peanuts in it. - After this add grated carrot, chopped tomato, chopped onion and coriander-mint chutney and red chutney. - Salt and red chilli have not been added to it. - You can add chopped green chillies as per your taste.

Pankaj Tripathi ate only Khichdi for 60 days during the shooting of 'Main Atal Hoon', this is the reason

Pankaj Tripathi is known for his amazing acting. Apart from this, he also wins the hearts of the audience with his simplicity. In real life, he is a very humble and simple person. This simplicity is visible from their lifestyle to their eating habits. Pankaj Tripathi likes home-cooked food and Khichdi is his favorite dish. The actor will be seen next month in the film

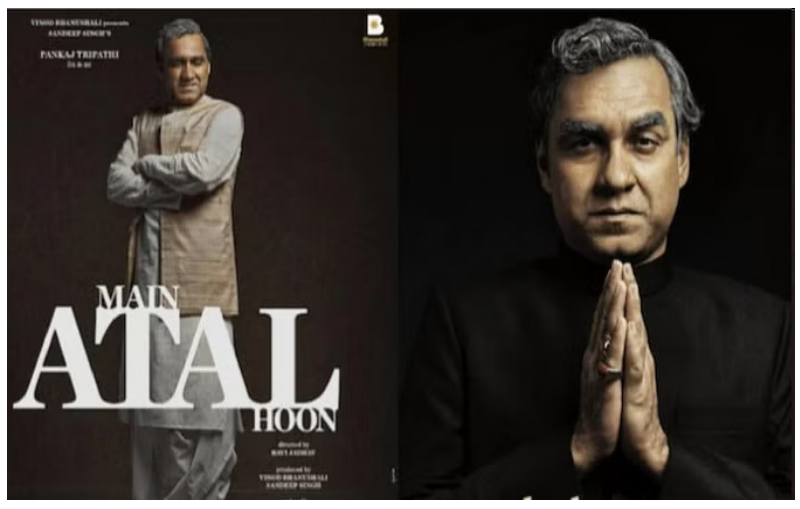

'Main Atal Hoon', in which he will be seen in the role of late Prime Minister Atal Bihari Vajpayee. Recently, Pankaj Tripathi revealed that during the shooting of this film, he consumed only Khichdi for 60 consecutive days. The actor recently mentioned his unique 60-day eating routine. He told that during this period he ate only Khichdi, that too made with his own hands. Explaining the reason for this, he said, 'You can never know how someone else has made it? I make it without oil and spices. I just make khichdi by mixing simple dal, rice and local vegetables. Pankaj Tripathi says that he consumed khichdi during the shooting of the film 'Main Atal Hoon' so that he could portray the character of the late PM on screen in a better way. Can engrave. Can connect emotionally with his character. Pankaj said, 'When I was young, I could act even after eating samosa, but today I don't remember when was the last time I ate samosa? Now I need a satvik diet to keep my method correct. Pankaj Tripathi stressed the importance of healthy eating. He said that this is not only important for the well-being of health, but it is also helpful for an actor to play his character well. He said that consuming poor food and having an upset stomach would hinder an actor from expressing his emotions effectively. Therefore, to play such an important character, he ate only Khichdi, so that he could keep his emotional and physical health better and play the character well. Pankaj Tripathi says that to keep the emotions right, you have to train your brain. And there has to be coordination between the bodies, for this a light diet is helpful. Let us tell you that the film 'Main Atal Hoon', directed by Ravi Jadhav, will be released this year on the birth anniversary of late PM Atal Bihari Bajpayee (25 December).

Soundarya Sharma broke her silence on being a part of Pan Masala ad, surprised by telling the reason

Soundarya Sharma has openly talked about being a part of the controversial Pan Masala ad. She was also seen surprising everyone by telling the reason behind saying yes to it. Akshay Kumar recently became a victim of trolls for advertising the Pan Masala brand. However, the actor clarified that he is under contract, and this is an earlier shot ad video. At the same time, actress Soundarya Sharma was also seen in this ad, who was also criticized by the netizens. However, now the actress herself has broken her silence on this controversy. Also, she has been seen giving a big statement about being a part of it. Soundarya Sharma bluntly on Pan Masala ad- Actress Soundarya Sharma has spoken about her recent controversial

pan masala ad with Ajay Devgan, Shah Rukh Khan and Akshay Kumar. The actress said that she was excited to work with three 'giants' of the country, and the opportunity meant a lot to her. Soundarya also says that she never thought of promoting anything wrong or harmful. That's why Soundarya Sharma did the ad. Actress Soundarya Sharma said in her recent interview, 'When I was offered an ad, the first person they mentioned was Shahrukh sir, Ajay sir and Akshay sir. I thought this can't happen because this has never happened before, this is unprecedented for me as an actor sharing screen space. Then he mentioned mouth freshener. For a moment, I was like fine. I personally feel like come on, the little girl inside me got really excited about the fact that oh my god I grew up watching them on screen. For me it was like a dream come true. This was a huge thing for me.'The actress couldn't differentiate between right and wrong- Soundarya Sharma also explained that, sometimes, she had to temporarily set aside her personal beliefs and thought processes to embrace those opportunities. What they need is what really excites them. Soundarya highlighted the need to stop and reflect on one's dreams and career choices. The actress added, 'I never thought of doing or promoting the wrong aspect of any brand or product. I was very excited. Well, you might be asking me if I am so stupid to say no to something where I can share screen space with people I idolize as an actor. So that was my only thought and I just wanted to be happy with the fact that I didn't think too much about it at that moment.'

Raj Kundra's 'UT 69', this was the condition of 'Aankh Micholi'-'The Ladykiller'

On Friday, the theaters were buzzing with some new films, but in terms of earnings, these films could not brighten the box office. On Friday, six films including Raj Kundra's 'UT 69', 'Hukus Bukus', 'Lakeyrein', 'Three of Us', 'Ladykiller' and Paresh Rawal and Mrunal Thakur's 'Aankh Micholi' were released. However, there was disappointment at the box office in terms of earnings on the first day. Whereas Vikrant Massey's '12th' failed and earned good money, giving a huge defeat to the new films. Kangana's 'Tejas' and Dalpati Vijay's 'Leo' were in bad shape. Let us know how much money has been earned by which film at the box office on Friday. UT 69- First of all, let's talk about the earnings of Raj Kundra's film 'UT 69'. The film is based on the experience of Shilpa Shetty's husband and businessman Raj Kundra during his time spent in jail.

Through this film, Raj entered the world of acting, but his first film faltered at the box office on the first day. 'UT 69', released on November 3, collected lakhs on the first day itself. The film opened its account by earning Rs 10 lakh. Hukus Bukus - Arun Govil and Darsheel Safari's 'Hukus Bukus' also released on November 3 along with Raj's 'UT 69'. This film also could not do anything special in terms of first day's earnings. The film tells the story of the troubled relationship between a father and son and their principles. 'Hukus Bukus' earned Rs 8 lakh on the first day at the box office. The Ladykiller - On November 3, Arjun Kapoor and Bhumi Pednekar's crime thriller film 'The Ladykiller' also hit the screens. 'The Ladykiller' is at the bottom in terms of earnings of all the films released on Friday. On the first day, this film could not touch the figure of crores, but even lakhs of rupees. Directed by Ajay Bahl, this film had a very disappointing performance at the box office. With its release, the film has joined the list of flops. 'The Ladykiller' earned only Rs 32 thousand on the first day. Three of Us - 'Three of Us' is also included in the list of films released on November 3. Shefali Shah, Jaideep Ahlawat and Swanand Kirkire's film also collected lakhs on the first day. According to reports, this film has been made with a budget of Rs 10 crore. On the first day, 'Three of Us' opened its account at the box office with an earning of Rs 10 lakh. Aankh Micholi - 'Aankh Micholi' is a comedy film, which is full of many stars. The film 'Aankh Micholi' has many stars like Paresh Rawal, Sharman Joshi, Abhimanyu Dassani, Mrunal Thakur, Divya Dutta, Vijay Raaz, Darshan Jariwala, Abhishek Banerjee. Like its name, the multi-starrer film was seen doing badly in terms of box office earnings on the first day. All the stars failed to woo the audience. The film earned Rs 20 lakh on the first day. However, 'Aankh

Micholi' has the highest collection among all the films released on Friday. Lakeyren- Ashutosh Rana and Bidita Bag's film 'Lakeyren' also hit the theaters on November 3. The courtroom drama film directed by Durgesh Pathak is based on a case on marital rape. Compared to the budget, the film opened well on the first day. According to reports, the film has been made on a budget of Rs 6 crore. The film had a solid start and earned Rs 12 lakh on the first day. 12th Fail - The magic of Vikrant Massey's film '12th Fail' is still intact at the box office. Despite the competition with Kangana's film 'Tejas', this film is still earning well at the box office. Not only this, '12th Fail' has also overshadowed all the films released on Friday. '12th Fail' earned Rs 1.70 crore on the eighth day. At the same time, the total collection of the film has now reached Rs 14.74 crore. Leo- Dalpati Vijay's 'Leo' had entered the box office with a strong opening. The audience liked the film very much and it also crossed the Rs 300 crore mark. However, with the passing of time, the pace of 'Leo' has started slowing down. There is a continuous decline in the film's earnings. 'Leo' has completed a journey of 16 days at the box office, the earnings of 'Leo' declined on the third Friday also. Leo, directed by Lokesh Kanagaraj, earned Rs 2.20 crore on the 16th day. At the same time, the total collection of the film has now reached Rs 319.80 crore. Tejas- Kangana Ranaut's 'Tejas' was released on October 27. This film has been struggling at the box office in terms of earnings since day one. Kangana's film has lost steam within a week. 'Tejas' was one of the most awaited films of this year, which was heavily promoted. Even after this it failed to attract the audience. On the eighth day, 'Tejas' earned only Rs 10 lakh. Now the total collection of the film has reached Rs 5.60 crore. Tiger Nageswara Rao- Ravi Teja's film 'Tiger Nageswara Rao' had a good start at the box office. The audience also liked this film. However, as time passed, the film's earnings declined. 'Tiger Nageswara Rao' has failed at the box office on the second Friday itself. The 15th film earned Rs 20 lakh. Now the total collection of the film has reached Rs 36.24 crore.